दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 126
मुरादाबाद
28 August 2025
(Thursday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

नियुक्ति पत्र वितरण समारोहः सीएम योगी बोले- 20 साल से बीमार मानसिकता के लोगों ने यूपी को बीमारू राज्य बना दिया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य सेविकाओं और फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। इन सभी मुख्य सेविकाओं का चयन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के द्वारा किया गया है।लखनऊ के लोकभवन सभागार में नवचयनित 2,425 मुख्य सेविकाओं और 13 फार्मासिस्टों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश और प्रदेश के युवाओं के सपनों को मंच देना सरकार का काम होता है पर जब युवाओं से जाति-धर्म के आधार पर भेदभाव किया जाता है तो क्षति सिर्फ युवाओं की ही नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का होता है। प्रदेश में 20 वर्षों से यही होता था जब नियुक्ति का मौका आता था तो बंदरबांट होती थी। प्रदेश बीमारू राज्य नहीं था बल्कि राज्य का नेतृत्व करने वाले बीमार मानसिकता के थे पर अब पूरी शुचिता के साथ नियुक्ति की जा रही है।जब चयन प्रक्रिया पारदर्शी और शुचितापूर्ण होती है तो आजमगढ़, शामली और अलग-अलग जिलों की बेटियों का चयन किया जाता है। अभी हमने देखा कि थारू जनजाति की एक बेटियों को अवसर मिला जो कि दिखाता है कि चयन की प्रक्रिया शुचितापूर्ण है। अब जिले और जाति को देखकर नियुक्ति नहीं दी जाती है। मुख्यमंत्री योगी ने चयनित अभ्यर्थियों से कहा कि जब आप ईमानदारी से काम करेंगे और कठिन परिश्रम करेंगे तो सफलता जरूर मिलती है। ऐसे में अभ्यर्थियों की जिम्मेदारी है कि वो भी बिना किसी भेदभाव के काम करें और अपने कर्तव्य को पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाएं।नकारात्मक मुद्दों पर राजनीति करता है विपक्ष मुख्यमंत्री योगी ने इस मौके पर विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने 20 साल से यूपी को बीमारू राज्य बना दिया था वो अब भी नकारात्मक मुद्दे उठा रहे हैं। हम जर्जर विद्यालयों को ठीक करने का और पेयरिंग करने का काम कर रहे हैं और जो बेहतर विद्यालय हैं वहां पेयरिंग के बाद बाल वाटिका का शुभारंभ कर रहे हैं। इन लोगों ने इसका भी विरोध किया है। अभी एक राज्य में जर्जर विद्यालय ढह जाने से बच्चों की मौत हो गई थी क्या उनका जीवन लाया जा सकता है। हमने आंगनबाड़ी भवन बनाने का भी काम कर रहे हैं। जब प्रदेश का बचपन अच्छा होगा तो जवानी भी अच्छी होगी। मुख्य सेविकाओं का काम मां यशोदा की तरह मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आंगनबाड़ी में मुख्य सेविकाओं की जिम्मेदारी मां यशोदा की तरह है। जिस तरह मां यशोदा ने बच्चों का पालन पोषण किया वैसे ही आपकी भी जिम्मेदारी है कि आंगनबाड़ी केंद्रों की देखरेख करें। याद रखें कि जब भी भगवान श्रीकृष्ण का नाम आता है मां यशोदा का भी नाम आता है। वित्त मंत्री बोले- लगातार कन्याओं के सशक्तिकरण के लिए काम कर रहे सीएम योगी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूपी सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि जिस दिन से सीएम योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की बागडोर संभाली है तब से कन्याओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम किए जा रहे हैं। अब अत्याचारियों पर 100 दिन के अंदर कार्रवाई की जा रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि कन्याओं के पोषण के साथ ही मार्गदर्शन की जिम्मेदारी भी मुख्य सेविकाओं की है। हमारे समाज में कन्याओं का पोषण ये कहकर किया जाता है कि उन्हें पराये घर जाना है पर मैं कहूंगा कि वो पराये घर जाएं तो स्वालंबी बनकर जाएं। आत्मनिर्भर बनकर जाएं। योगी सरकार ने कन्याओं की पढ़ाई से लेकर उनके विवाह तक के लिए मदद की है। बीते आठ साल में 4 लाख 77 हजार कन्याओं का विवाह प्रदेश सरकार के सहयोग से कराई जा चुकी है। वित्त मंत्री के संबोधन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। ये दिन प्रदेश की प्रगति का दिन है इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताते हुए प्रदेश सरकार की महिला कल्याण, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि ये दिन प्रदेश की प्रगति का दिन है। महिला आत्मशक्ति का दिन है। सहायिकाओं के मार्गदर्शन में आंगनबाड़ी की देखरेख होती है। प्रदेश में दो करोड़ से अधिक लाभार्थियों को पोषण सामग्री दी जा रही है। 14,535 आंगबाड़ी का पुनरोद्धार किया गया। कन्या सुमंगला योजना के तहत अभी तक 26 लाख बालिकाओं को 600 करोड़ से ज्यादा का लाभ दिया गया। 37 लाख महिलाओं को पेंशन दी जा रही है। राज्यमंत्री बोलीं- खुद को सिर्फ सरकारी सेवा तक ही सीमित न समझें इस मौके पर राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि 20 साल बाद ये ऐतिहासिक पल आया है। जब 2425 मुख्य सेविकाओं के नियुक्ति पत्र वितरण में आप साझीदार बने हैं। ये बाल शक्ति और मातृ शक्ति का पत्र है। सरकारी कर्मचारी के साथ-साथ आप मां के रूप में सेविका भी हैं। अपने दायित्व को सरकारी सेवा तक ही सीमित न समझे।

संक्षिप्त समाचार

ऑपरेशन सिंदूर से लोगों में संतुष्टि आई, जिसे ऑपरेशन महादेव ने आत्मविश्वास में बदला, अमित शाह बोले

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव ने आतंक के आकाओं को भारतीय नागरिकों की जान से खेलने के परिणामों के बारे में एक स्पष्ट संदेश दिया है। शाह ने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने जहां लोगों में संतुष्टि लाई। वहीं, ऑपरेशन महादेव ने उस संतुष्टि को आत्मविश्वास में बदल दिया।दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ऑपरेशन महादेव में शामिल जवानों को सम्मानित किया। संयुक्त ऑपरेशन महादेव में भारतीय सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पहलगाम आतंकी हमले में शामिल तीन आतंकवादियों को मार गिराया था। इस दौरान शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव ने आतंकी सरगनाओं को भारतीय नागरिकों की जान से खेलने के दुष्परिणामों का स्पष्ट संदेश दिया। हमारे सैनिकों ने दुनिया को दिखा दिया कि आतंकवादी चाहे कोई भी रणनीति अपनाएं, वे अब भारत को नुकसान पहुंचाकर बच नहीं सकते। ऑपरेशन सिंदूर से लोगों में संतुष्टि आई, जिसे ऑपरेशन महादेव ने आत्मविश्वास में बदल दिया।शाह ने यह बात भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों को सम्मानित करते हुए कही, जिन्होंने ऑपरेशन महादेव को सफलतापूर्वक अंजाम दिया और पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों को मार गिराया। हमले में आतंकियों ने 26 लोगों की निर्मम हत्या कर दी थी।

महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की सीमा पर पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, चार माओवादी ढेर

गए। पूर्वी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में छत्तीसगढ़ सीमा के पास बुधवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में चार माओवादी मारे गए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर गढ़चिरौली पुलिस की सी-60 कमांडो टीम ने कोपरशी गाँव में तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। मुठभेड़ के दौरान चार माओवादी मारे सूचना मिलने पर गढ़चिरौली पुलिस की सी-60 कमांडो टीम ने कोपरशी गाँव में तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई, जो अभी भी जारी है।

मोदी का बनाया मेगा भारत के लिए महा सिरदर्द बन गया.., अतिरिक्त अमेरिकी टैरिफ पर बोली कांग्रेस

अमेरिका की ओर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लागू होने पर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेगा फॉर्मूले पर तंज कसा और कहा कि यह भारत के लिए अब महा सिरदर्द बन गया है। रमेश ने कहा कि इन टैरिफ से भारत के श्रम-प्रधान निर्यात पर असर पड़ेगा। अमेरिका की ओर भारत पर लगाए गए अतिरिक्त शुल्क (टैरिफ) बुधवार से लागू हो गए। इसके बाद कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तंज कसा और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल की शुरुआत में अपनी जीत की %मेगा% फॉर्मूला बताया था, जिसमें उन्होंने कहा था- मागा + मिगा = मेगा (MAGA + MIGA = MEGA)। लेकिन कांग्रेस ने कहा कि अब यह %मोदी-निर्मित मेगा% भारत के लिए एक %महा सिरदर्द% बन गया

है।कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिका की ओर से लगाया गया ट्रंप डबल टैरिफ अब लागू हो चुका है। इसका सीधा असर भारत के कपड़ा, हीरे-जेवरात, चमड़ा, समुद्री उत्पाद और इंजीनियरिंग सामान श्रम-प्रधान निर्यात पर पड़ेगा। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 24 घंटे पहले अमेरिकी वाणिज्य सचिव ने एच1बी वीजा प्रणाली के खिलाफ भी बयान दिया है, जिसका अब तक सबसे ज्यादा लाभ भारतीय आईटी पेशेवरों को ही मिला है।उन्होंने आगे कहा, यही एच1बी वीजा प्रणाली उस मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) विचारधारा की मांग रही है, जिसका अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समर्थन करते हैं। इसी मागा का इस्तेमाल प्रधानमंत्री मोदी ने इस साल फरवरी में किया था, जब उन्होंने मागा + मिगा = मेगा फॉर्मूला दिया था। अब वही मोदी-निर्मिता मेगा भारत के लिए एक महा सिरदर्द बन गया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने भी पीएम पर साधा निशाना अमेरिकी की ओर से दोगुना टैरिफ लगने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि मोदी के प्रिय मित्र के इस कदम से केवल 10 क्षेत्रों में ही भारत को अनुमानित 2.17 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होगा।

स्वयंसेवकों, उससे जुड़े संगठनों को नियंत्रित नहीं करता संघ, भागवत बोले- हम दबाव समूह के गठन में नहीं

मोहन भागवत ने संघ शताब्दी वर्ष से जुड़े कार्यक्रम में कहा, आरएसएस के स्वयंसेवक विभिन्न संगठनों में अपने कामकाज में स्वतंत्र और स्वायत्त हैं और उन पर संघ के सुझावों का पालन करने का कोई दबाव नहीं है। संघ से प्राप्त विचारों और संस्कारों के आधार पर आवश्यक परिवर्तन और रचनात्मक सुधार लाने के लिए कई क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि उनका संगठन अपने स्वयंसेवकों और उससे जुड़े संगठनों को सीधे या दूर से नियंत्रित नहीं करता है। संघ किसी दबाव समूह के गठन में नहीं, बल्कि सभी को एकजुट करने में विश्वास रखता हैभागवत ने संघ शताब्दी वर्ष से जुड़े कार्यक्रम में कहा, आरएसएस के स्वयंसेवक विभिन्न संगठनों में अपने कामकाज में स्वतंत्र और स्वायत्त हैं और उन पर संघ के सुझावों का पालन करने का कोई दबाव नहीं है। संघ से प्राप्त विचारों और संस्कारों के आधार पर आवश्यक परिवर्तन और रचनात्मक सुधार लाने के लिए कई क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। ये स्वयंसेवक जो करते हैं, वह उनका स्वतंत्र, पृथक और स्वायत्त कार्य है। इसका श्रेय उन्हें जाता है, संघ को नहीं। हालांकि, संघ को बदनामी (यदि कोई हो) साझा करनी होगी। क्योंकि हमारे स्वयंसेवक वहां काम कर रहे हैं। स्वयंसेवकों व संघ के बीच है अटूट बंधन

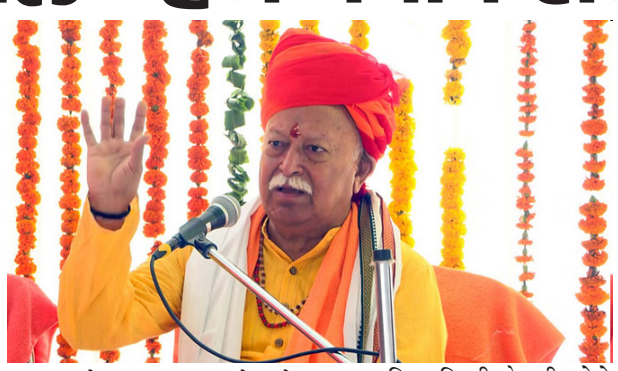

भागवत ने कहा कि स्वयंसेवकों और संघ के बीच का बंधन अटूट और चिरस्थायी है। इसीलिए स्वयंसेवक हमसे मिलते हैं, बातचीत करते हैं। वे पूछते हैं, हम बताते हैं। अगर हमारे मन में कुछ आता है, तो हम बताते हैं। वे मदद मांगते हैं, हम मदद करते हैं। हम हर जगह अच्छे काम का समर्थन करते हैं, न सिर्फ स्वयंसेवकों का, बल्कि किसी के भी। ऐसे कई उदाहरण हैं। लेकिन उन पर संघ का पालन करने या उसकी बात सुनने का कोई दबाव नहीं है। उन्होंने कहा कि संघ यही अपेक्षा करता है कि ऐसे संगठन ठीक से काम करें और स्वयंसेवक अच्छा प्रदर्शन करें। 25 से अधिक देशों के राजदूत भी मौजूद थे कार्यक्रम में संघ सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, अनुप्रिया पटेल, योग गुरु रामदेव, जद(यू) नेता के सी त्यागी और कंगना रनौत भी मौजूद थे। इनके अलावा चीन, डेनमार्क, अमेरिका, रूस और इज़राइल सहित 25 से अधिक दूतावासों के प्रतिनिधि और आरएसएस के संयुक्त महासचिव अरुण कुमार और कृष्ण गोपाल भी मौजूद थे। हेडगेवार ने स्वतंत्रता आंदोलन की सभी धाराओं में निभाई सक्रिय भूमिका संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने स्वतंत्रता आंदोलन में संगठन की कोई भूमिका न होने वाले कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार किया। भागवत ने बताया कि संघ संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार ने स्वतंत्रता आंदोलन की चारों धाराओं में सक्रिय भूमिका निभाई। छात्रावस्था में स्कूल से निष्कासन भी देखा और आंदोलन के वक्त दो बार जेल भी गए। हेडगेवार जन्मजात देशभक्त थे। संघ की शुरुआत के बारे में बताते हुए भागवत ने आजादी के आंदोलन का जिक्र किया। उन्होंने कहा, उस वक्त चार अलग-अलग धाराएं थीं। क्रांतिकारी धारा, राजनीतिक धारा जिनका मानना था कि लोगों को जागरूक करना है। समाज सुधार की धारा और धर्म जागरूकता यानी मूल पर वापस आने की बात कहने वाली धारा। संघ प्रमुख ने कहा, हेडगेवार ने इन चारों धाराओं में काम किया और फिर संघ की स्थापना की। 1905 में स्कूलों में चलाया वंदेमातरम अभियान भागवत ने कहा, हेडगेवार ने पहली बार नागपुर के स्कूलों में 1905 में वंदेमातरम अभियान चलाया। जिसके कारण उन्हें स्कूल से निकाल दिया गया। दूसरे स्कूल में उन्हें कोलकाता में सशस्त्र क्रांति से जुड़े स्वतंत्रता सेनानियों के बीच समन्वय करने और आंदोलन की आग को पश्चिम भारत में फैलाने की जिम्मेदारी मिली। समय उन्हें 1920 में अपने एक भाषण के लिए एक साल सश्रम कारावास की सजा भुगतनी पड़ी। संघ की स्थापना के बाद 1930 में उन्होंने संघ प्रमुख का पद छोड़कर जंगल सत्याग्रह में भाग लिया।

संपादकीय Editorial

Till when will dowry deaths continue?

In a village in Greater Noida, UP, a 26-year-old married woman was burnt to death in front of her 6-year-old son. This is indeed dowry murder. We are surprised again and again that how could the barbarism of throwing the person whom she had made her life partner, who had taken rounds in front of fire as a witness and who had taken seven vows, be done? Only a demon can commit such a brutal crime. A daughter leaves her parents' house and goes to an unknown house. She goes to light the lamp of that house, becoming the lamp of that house. She is harassed and ultimately she is burnt to death. The greed for dowry becomes a 'demon'. What kind of destiny is this, Prabhu? The daughter bids goodbye to her father's house, but what kind of social and rotten system is this, which leaves the daughter to burn, cut and ultimately die? Nikki, a daughter of Greater Noida, had come to her in-laws' place with a lot of wealth. It can be called dowry, but the greedy mentality of the husband, mother-in-law etc. for Rs 35 lakh ultimately led to the daughter's death. One is also surprised at this aspect that when the daughter was not safe in the 'house of demons', then why was the second daughter also married in the same house? The decision of the daughter's parents is not only questioned, but also doubted! We remember the case of the marriage of a journalist friend's daughter. When the proposed groom's maternal uncle had asked the first question that what is your budget, the daughter's father had replied- 'Is the marriage to be done within the budget? We are from an average family. The marriage has to be between the bride and groom. Don't the daughters of the poor get married?' The uncle became silent, speechless. Had Nikki's parents also taken a tough stand, then perhaps the daughter's marriage would have been in some other family, but the daughter would have remained alive and safe! According to the reports of the National Crime Records Bureau (NCRB), the brutal truth of dowry deaths is not only in UP, but also in many pockets of Bihar and Haryana. Dowry is a common practice and tradition there. Daughters like Nikki do not have access to any legal, government or non-government protection. Daughters are simply married off and left to face harassment, violence and death. There is a law, but it is not such that it can provide complete protection to daughters. In 2022, the conviction rate in dowry murder trials was 33 percent, but in all dowry-related cases, the pending cases that year were 60,577, the conviction rate was only 2 percent. After all, how long will daughters continue to be killed due to dowry? In dowry murder cases, evidence is destroyed, forensics are distorted, such investigations are done by untrained sanitation workers, because doctors refuse to do such post-mortems and dissections. Ultimately, the allegations of misuse of the Dowry Prohibition Act eventually grow tiresome and strengthen the position of the perpetrators. As a result, the victim of dowry-murder either does not get justice or gets it very late. Just think, in the FIR lodged in Nikki's case, Section 80BNS of the Dowry Prohibition Act has not been applied. Injustice starts from the very foundation. Is our system itself misogynistic? Or is the police complicit? There is no other way than honesty. In such cases, a strict investigation should be done and doctors should be forced to investigate and punishment should be pronounced as soon as possible.

Steps taken in the direction of reform, reform in GST will give a boost to the Atmanirbhar Bharat Abhiyan

The economic impact of reforms in GST will promote 'Make in India', enhance competitiveness, encourage enterprises to adopt formal form, improve compliance, increase ease of doing business and take forward the campaign of Atmanirbhar Bharat. While this will improve the situation of inflation, it will also increase the contribution of 0.20 to 0.22 percent in GDP. The discussion of Prime Minister Narendra Modi's address on the occasion of Independence Day is still going on. His address from the ramparts of the Red Fort was energetic, inspiring and reassuring. A glimpse of the future was also visible in this speech which included wide topics. In this address, the sentiments of the leader were becoming vocal, who has imbued the country with the aspirations of making it a developed nation by 2047. The echo of his address, which boosted the national morale, was heard in the capital market. This led to a rise in the Sensex and a strengthening trend in the position of the rupee. Economic prosperity and security of a nation are deeply linked with geopolitical and energy security. In his comprehensive address, Modi explained how these three security elements will weave the fabric of India's future in his view. In the context of economic growth, the great economist John Maynard Keynes had underlined the need for animal spirit. This enthusiastic tendency is encouraged by ease of doing business and ease of living. In this direction, the announcement of reforms in the Goods and Services Tax (GST) had important and far-reaching effects. In July 2017, GST came into existence with the concept of one nation-one tax, integrating all the complex taxes and indirect taxes. It was termed as the biggest economic reform after 1991. It improved compliance along with increasing tax revenue. Due to this, investment increased and India was transformed as a unified market. It also had a positive impact on GDP growth. Despite governments of different parties in different states, it presented a unique example of federal consensus. However, some of the anomalies that persisted in it were also adversely affecting enterprises, revenue and various stakeholders. This includes issues such as complexity of the tax structure, frequent changes in rules and rates, issues related to input tax credit and in some cases compliance burden. It is good that these anomalies have been taken into account and steps have been taken towards reform. The proposed objective of GST reforms is to address the existing challenges and transform it into a world-class indirect tax structure. The proposed reforms can be classified into four categories: rationalization and reduction of rates, change in inverted duty structure, reduction of compliance burden and resolution of disputes. It is expected that 99 percent of the 12 percent goods will be shifted to the 5 percent category and 90 percent of the 28 percent goods will be shifted to the 18 percent category. The new rates will be in line with developed markets like New Zealand, Australia, Canada and Japan. In these countries, GST rates are between 5 to 15 percent. Rationalization of rates will also curb anomalies. This has led to increase in the cost of industry, anomalies in the value chain and accumulation of input credit. Eliminating the complexity of classification will improve compliance and make the tax structure more robust. Reduction in tax rates on essential and aspirational goods will benefit the common man, MSMEs, farmers, boost consumption and ultimately contribute to GDP growth. Rationalisation and clarification of input credit anomalies in some sectors such as different rates for raw materials and finished goods will also improve the situation. Technology-driven solutions such as seamless registration, pre-filled returns and automated refunds will ease compliance and significantly reduce administration costs. Quick refunds will increase working capital, reduce interest costs and strengthen competitiveness. Several disputes have also come up during the eight years of GST, especially on classification. Focusing on resolving those disputes will reduce complexity, uncertainty and ensure a clear roadmap for the future. Further, the proposal of an alternate dispute resolution mechanism will help smoothen the implementation process and build confidence. Various financial institutions have given their assessment of the impact on revenue collection from the proposed rate changes. In this context, HSBC Bank has estimated a loss of Rs 1.43 lakh crore, while according to SBI it is Rs 85,000 crore, out of which only Rs 45000 crore is for the current year. SBI's own report estimates an increase in consumption by Rs 1.98 lakh crore and together with the reduction in income tax rates, it has been estimated to be Rs 5.31 lakh crore, which can be up to 1.6 percent of GDP. The other aspect of this is that the increase in consumption will increase tax revenue and the possible estimated loss due to reduction in rates and their rationalization will be compensated over time. The economic impact of reforms in GST will promote 'Make in India', increase competitiveness, encourage enterprises to adopt formal form, improve compliance, increase ease of doing business as well as increase self-reliance. It will take the campaign of a universal India forward. While it will improve the inflation situation, it will also increase the contribution of 0.20 to 0.22 percent to the GDP. However, the success of this well-intentioned reform will depend on its effective implementation and better coordination between various stakeholders.

Increase women's participation in the labour force, half of the population will be the only one to build a developed India

Low participation of women in the economy is having a negative impact on development. This has to change. Karnataka's 'Shakti' scheme which provides free public bus travel to women is a great example. Since its launch in 2023, the number of women passengers has increased by more than 40 percent. India is on its way to becoming the world's third largest economy, but this progress is now under threat. That is the massive 50 percent tariff proposed by US President Donald Trump on Indian exports. This tariff targets India's $40 billion trade to the US. This could reduce the country's GDP by about one percent. This tariff could destabilise the employment of millions of Indian women in labour-intensive sectors such as textiles and gems, where their participation is the highest. Sectors such as textiles and gems, which employ about 5.5 crore people, could face a decline in exports of up to 50 percent. In contrast, China appears to be able to face the challenge of US tariffs due to its manufacturing capacity and export diversification in regions like Africa, Europe, while India is vulnerable in this matter. There are two main reasons for this - one, 18 percent of India's exports are dependent on the US and secondly, Indian products are 30-35 percent more expensive than competitors like Vietnam, which is a big challenge. In such times of crisis, the words of Mahatma Gandhi seem relevant, "The strength of a nation lies in its women." In such a situation, we can also overcome this challenge by empowering half of the population economically. India has a very low participation of women in the labor force, which remains between 37 percent to 41.7 percent. While the global average and China's rate is around 60 percent. Countries like China, Japan and America are proof that when women play an active role in the economy, inclusive development is possible. Japan has taken women participation to 74 percent by adopting the 'Womenomics' strategy. The US economy has also been strengthened by the participation of women. The International Monetary Fund estimates that by closing this gender gap, India can increase its GDP by 27 percent or $770 billion by 2025. This figure can reach $14 trillion by 2047, but cultural conservatism, policy inaction and systemic barriers to employment can come in the way. Low participation of women in the economy and now the threat of tariffs can further weaken the country's economic potential. India is currently at the peak of its demographic dividend. This is a period when the working population is much more than the dependents. This opportunity is for a limited time and will end by 2045. Countries like China, Japan and America have developed by taking advantage of this opportunity. India will have to take immediate steps to convert this momentary opportunity into lasting prosperity. The only way to do this is to fully include women in the workforce. There has been a slight increase in women's participation in rural areas, but it is mostly limited to unpaid and family work, which has low productivity. On the other hand, female labour force participation in urban India remains stagnant. In addition, unsafe public transport, lack of sanitation and a heavy burden of unpaid care work deprive women of both education and employment. Low female participation in the economy is negatively impacting development. This must change. Karnataka's 'Shakti' scheme, which provides free public bus travel to women, is a great example. Since its launch in 2023, female commuters have increased by more than 40 per cent. The scheme has increased women's mobility for work, education and enterprise, especially in rural and semi-urban areas. This has led to women's better access to jobs, reduced dependence on male family members and increased their autonomy. Similarly, Rajasthan's 'Indira Gandhi Urban Employment Guarantee Scheme' has generated more than four crore man-days of work, with about 65 per cent of the jobs going to women. The tasks under this programme, such as sanitation, plantation and care, have enabled women to enter the workforce who were previously unable to do so due to domestic responsibilities. Leading gig platforms like Urban Company have onboarded over 45,000 women service providers who earn between Rs 18,000 and Rs 25,000 per month. These women also get benefits like accident insurance, maternity benefits and skill development. This shows that the gig work model can become a means of empowerment, especially for semi-skilled urban women. Trump's tariffs are a warning, but it is also an opportunity. An opportunity that is motivating us to recognise the power of our women. India's future will depend on how seriously it takes the potential of half of its population. Countries like China, Japan and America have developed by taking advantage of this opportunity. India will have to take immediate steps to convert this momentary opportunity into lasting prosperity. The only way to do this is to fully include women in the workforce. There has been a slight increase in women's participation in rural areas, but it is mostly limited to unpaid and family work, which has low productivity. On the other hand, female labour force participation in urban India remains stagnant. In addition, unsafe public transport, lack of sanitation and a heavy burden of unpaid care work deprive women of both education and employment. Low female participation in the economy is negatively impacting development. This must change. Karnataka's 'Shakti' scheme, which provides free public bus travel to women, is a great example. Since its launch in 2023, female commuters have increased by more than 40 per cent. The scheme has increased women's mobility for work, education and enterprise, especially in rural and semi-urban areas. This has led to women's better access to jobs, reduced dependence on male family members and increased their autonomy. Similarly, Rajasthan's 'Indira Gandhi Urban Employment Guarantee Scheme' has generated more than four crore man-days of work, with about 65 per cent of the jobs going to women.

फल बेचने के साथ हसीन ग्राहकों को भी तलाशता, हर सदस्य की जिम्मेदारी थी तय, देह व्यापार सरगना पिंकी की तलाश

देह व्यापार गिरोह की सरगना पिंकी की तलाश में पुलिस ने दिल्ली के बाद पंजाब तक छापेमारी की लेकिन वह पकड़ में नहीं आई। पुलिस को जानकारी मिली है कि वह एक महिला साथी के साथ भागी हुई है। देह व्यापार से मुक्त कराई गई तीन लड़कियों के बयान पर पाकबड़ा सहित कई स्थानों पर दबिश दी गई। पुलिस के अनुसार पिंकी गिरोह में अलग-अलग जिम्मेदारियां बांटकर काम कराती थी। उसका एक साथी हसीन ठेले पर फल बेचते हुए ग्राहकों को तय करता था।देह व्यापार की सरगना सहित दो महिलाओं की तलाश करने के लिए जिला पुलिस की टीमों ने पंजाब की खाक छानी लेकिन पिंकी का भी पता नहीं चल सका। पुलिस ने तीसरे दिन देह व्यापार से मुक्त कराई गई लड़कियों के बयान के आधार पर पाकबड़ा सहित कई स्थानों पर दबिश दी है। कांशीराम नगर में गोशाला की आड़ में देह व्यापार चलाने वाली संचालिका पिंकी की तलाश करने के लिए पुलिस की टीमों ने दिल्ली के बाद पंजाब के संभावित ठिकानों पर छापा मारा लेकिन उसका पता नहीं चल सका। पुलिस को जानकारी मिली है कि वह एक अन्य महिला को साथ लेकर फरार गई है। इधर देह व्यापार से मुक्त कराई गई तीन लड़कियों ने बयान दिया। बयान के आधार पर पुराना डाकखाना स्थित एक मकान में तीन लड़कियों का सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बयान दिया। बयान के आधार पर गई है। सीओ का कहना है कि पुलिस ने तथ्यों को सत्यापित करने के लिए पाकबड़ा किए जा रहे हैं। ट्रेन से तीन लड़कियों छापा मारा था।इसी प्रकार अन्य कई स्थानों पर दबिश दी अगस्त को सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष की लड़कियों के बयान के आधार पर कई तथ्य सत्यापित केस दर्ज किया था। इस मामले में के बेटिकट पकड़े जाने के बाद मझोला पुलिस ने 21 ओर से सामूहिक दुष्कर्म, मारपीट और पॉक्सो एक्ट का महिला समेत चार लोगों को आरोपी बनाया गया था।देह व्यापार से मुक्त कराई गई तीन लड़कियों का हुआ कलम बंद बयान देह व्यापार के चंगुल से मुक्त कराई गई तीन लड़कियों का मझोला पुलिस ने मजिस्ट्रेट के समक्ष कलम बंद बयान दर्ज कराया। तीनों को वन स्टाप सेंटर में रखा गया है। इस मामले की जांच अब सीओ सिविल लाइंस करेंगे। ट्रेन से तीन लड़कियों के बेटिकट पकड़े जाने के बाद मझोला थाने में 21 अगस्त को सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष की ओर से सामूहिक दुष्कर्म, मारपीट और पॉक्सो एक्ट का केस दर्ज कराया गया था।इस मामले में महिला समेत चार लोगों को आरोपी बनाया गया था। विवेचनात्मक के दौरान देह व्यापार समेत अन्य धाराएं बढ़ाई गई। इस मामले में शुक्रवार को पुलिस ने कांशीराम नगर ए ब्लॉक में गोशाला चलाने वाले अमरोहा देहात के गांव केशोपुर निवासी अवनीश यादव और बदायूं के बिसौली थाना क्षेत्र के गांव नवलानगला निवासी विजय ठाकुर को हर्बल पार्क के पास मुठभेड़ में घायल करके गिरफ्तार किया था।शनिवार को इसी मामले के तीन आरोपियों को मझोला पुलिस टीम की टीम ने सोनकपुर ओवरब्रिज के आगे हड्डी मिल के पास मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों में बरेली के बिरासत गंज थाना क्षेत्र के गांव अतरछेड़ी निवासी सचिन, उसी गांव के हसीन और संभल के चंदौसी थाना के गांव रुस्तमगढ़ उंघिया निवासी विकास चौहान को पैर में गोली लगी थी।तीनों को उपचार के बाद अदालत के समक्ष पेश कर जेल भेजा गया। सोमवार को तीन लड़कियों को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। जहां तीनों के कलम बंद बयान दर्ज किए गए। इसकेबाद तीनों को वन स्टाप सेंटर भेज दिया गया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि इस मामले में अब सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता विवेचना करेंगे। जांच के दौरान कई अन्य तथ्य आने की संभावना है।देह व्यापार की सरगना अभी पुलिस की पकड़ से बाहर देह व्यापार की सरगना पिंकी सहित दो महिलाओं की तलाश करने के लिए जिला पुलिस की दो टीमें पंजाब और दिल्ली की खाक छान रही है। दो दिनों की छानबीन में पिंकी का पता नहीं चल सका है। कांशीराम नगर में गोशाला की आड़ में देह व्यापार चलाने वाले मास्टर माइंड सचिन और उसके साथियों हसीन और विकास चौहान को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर काफी जानकारियां हासिल की हैं।पुलिस की जांच में आया है कि पिंकी दो लड़कियों की शादी कराई थी। पिंकी की शादी किससे हुई है। इस बारे में पुलिस का कहना है कि गिरफ्तारी के बाद पिंकी से कई राज खुलेंगे। कुछ लोगों ने पुलिस को बताया कि पिंकी अपने सहयोगियों के साथ रेलवे स्टेशन जाती थी। उसका एक साथी हसीन ठेले पर फल बेचता था और ग्राहकों को तय करता था। पिंकी ने सभी सदस्यों को अलग अलग जिम्मेदारी सौंपी थी।

जम्मू में बाढ़: सात हजार लोगों ने कराए रद्द टिकट, यूपी से गुजरने वाली आठ ट्रेनें प्रभावित, रेलवे ने की यह अपील

जम्मू में बाढ़ और भूस्खलन से रेल यातायात प्रभावित होने पर सात हजार यात्रियों ने अपने टिकट रद्द कराए हैं। रेलवे के अनुसार अमरनाथ एक्सप्रेस व कामख्या-वैष्णो देवी एक्सप्रेस सहित आठ ट्रेनें प्रभावित हुईं और कई को बीच रास्ते रोकना पड़ा।जम्मू रेल मंडल के कई सेक्शन में बाढ़ का पानी और वैष्णो देवी मार्ग पर पहाड़ की मिट्टी खिसकने के कारण सात हजार श्रद्धालुओं ने रेलवे टिकट रद्द कराए हैं। रेलवे की ओर से भी आठ ट्रेनों के प्रभावित होने की जानकारी साझा की गई है। मंगलवार को अमरनाथ एक्सप्रेस, कामख्या-वैष्णो देवी एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों को बीच राह रोकना पड़ा। 27 अगस्त से पांच सितंबर तक 12 हजार से अधिक यात्रियों का जम्मू के लिए रिजर्वेशन है। रेलवे की नोटिफिकेशन व हादसे की जानकारी के बाद सात हजार टिकट रद्द हो चुके हैं। जिनके टिकट ट्रेनों के प्रभावित होने के कारण निरस्त हुए हैं, उन्हें रेलवे रिफंड दे रहा है। बशर्ते रेलवे काउंटर से टिकट की बुकिंग की गई हो। मुरादाबाद, बरेली, नजीबाबाद, हरिद्वार, ऋषिकेश, शाहजहांपुर आदि स्टेशनों से जम्मू जाने के लिए हर दिन लगभग 800 यात्री सफर करते हैं। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि जम्मू मंडल में विभिन्न कारणों से रेल ट्रैफिक सस्पेंड कर दिया है। यात्रियों को मोबाइल पर संदेश भेजकर अलर्ट किया जा रहा है। यह ट्रेनें हुईं प्रभावित 12237 बेगमपुरा एक्सप्रेस जलंधर सिटी तक चली 12238 बेगमपुरा एक्सप्रेस निरस्त 12355/56 अर्चना एक्सप्रेस लुधियाना तक चली 15651/52 लोहित एक्सप्रेस सहारनपुर तक चली 05193/94 छपरा-उधमपुर स्पेशल एक्सप्रेस अंबाला तक चली 03309/10 धनबाद-जम्मू स्पेशल एक्सप्रेस अंबाला तक चली 14609/10 वैष्णो देवी-ऋषिकेश एक्सप्रेस निरस्त 15655 कामख्या-वैष्णो देवी एक्सप्रेस घघ्घर तक चली

पुलिस कांस्टेबल है देवेंद्र: पति ने पत्नी को जिंदा जलाया, नर्स पत्नी के खाते से निकाल लेता था हर महीने रुपये

वर्तमान में देवेंद्र यूपी पुलिस में कांस्टेबल है और उसकी तैनाती रामपुर जिले में है। जबकि पारुल स्वास्थ्य विभाग में जीएनएम के पद पर तैनात है और उसकी पोस्टिंग ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र इकौंदा में चल रही है।प्लॉट के लिए ससुराल वालों ने महिला को जिंदा जला दिया। मायके वालों के पहुंचने से पहले ससुराल वाले वहां से भाग निकले। मौके पर पहुंचे परिजनों ने महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उसे दिल्ली रेफर कर दिया है। बुरी तरह झुलसी महिला की हालत नाजुक बनी हुई है। मामले में पुलिस ने रामपुर में तैनात सिपाही पति समेत ससुराल पक्ष के छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।2013 में हुई थी शादी यूपी के अमरोहा स्थित गजरौला थानाक्षेत्र के भानपुर खालसा में वचन सिंह का परिवार रहता है। उन्होंने अपनी बेटी पारुल की शादी वर्ष 2013 में नारंगपुर गांव के रहने वाले देवेंद्र के साथ की थी। वर्तमान में देवेंद्र यूपी पुलिस में कांस्टेबल है और उसकी तैनाती रामपुर जिले में है। जबकि पारुल स्वास्थ्य विभाग में जीएनएम के पद पर तैनात है और उसकी पोस्टिंग ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र इकौंदा में चल रही है। पारुल के नाम है प्लॉट भाई कपिल सिंह की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर के मुताबिक उसकी बहन पारुल के नाम पर एक प्लॉट है। जिसे लेकर उसके ससुराल वाले डेढ़ साल से परेशान कर रहे हैं। एक साल पहले भी मारपीट की थी। इस दौरान पारुल ने जोया पुलिस चौकी में शिकायत की तो समाज के लोगों ने फैसला कर दिया था। बावजूद इसके ससुराल वाले प्लॉट को लेकर लगातार परेशान कर रहे हैं। पारुल के साथ मारपीट की जाती है। ससुराल वाले उसके एटीएम कार्ड से सैलरी भी निकाल लेते हैं। सिपाही देवेंद्र शराब पीने का आदी है। शराब पीकर यह लोग पारुल को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं। आग लगाकर फरार हुए ससुराल वाले आरोप है कि 26 अगस्त को ससुराल वालों ने पारुल के साथ मारपीट करके जान से मारने की नीयत से आग लगा दी। जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। पड़ोसियों की सूचना पर मायके वाले पहुंचे तो उससे पहले ससुराल वाले वहां से भाग गए। इस दौरान गंभीर रूप से जली हुई पारुल अचेट अवस्था में घर के आंगन में पड़ी हुई थी। लिहाजा मायके वालों ने उसे मुरादाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां से उसे दिल्ली रेफर कर दिया है। आईसीयू में है पारुल- आईसीयू में भर्ती पारुल की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। सीओ सिटी शक्ति सिंह ने बताया कि मामले में पारुल के भाई कपिल सिंह की तहरीर पर देवेंद्र, सोनू, गजेंद्र, अनीता, जितेंद्र और संतोष के खिलाफ हत्या की कोशिश व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। जल्दी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में पूर्व विधायक इकराम कुरैशी की निर्माणाधीन दुकानें सील, बिना नक्शा पास कराए हो रहा था निर्माण

एमडीए ने पूर्व विधायक हाजी इकराम कुरैशी के आवास के सामने बनी निर्माणाधीन दुकानों को बिना नक्शा स्वीकृति के अवैध मानते हुए सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान विरोध भी हुआ। इसके अलावा एमडीए ने पाकबड़ा और गागन नदी किनारे अवैध निर्माण को भी ध्वस्त किया।एमडीए की टीम ने मंगलवार दोपहर भूड़े का चौराहा स्थित पूर्व विधायक हाजी इकराम कुरैशी की निर्माणाधीन दुकानों को सील कर दिया। इस दौरान टीम को विरोध का भी सामना करना पड़ा। दुकानों के निर्माण के लिए एमडीए से कोई नक्शा स्वीकृत नहीं कराया गया था। पूर्व विधायक ने एमडीए पर उनके नाम का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। उन्होंने खुद की दुकान होने से इन्कार किया है। इसके अलावा एमडीए ने पाकबड़ा और गागन नदी के किनारे हुए अवैध निर्माण को भी ध्वस्त कर दिया।एमडीए उपाध्यक्ष अनुभव सिंह के निर्देश पर प्रवर्तन दल पुलिस फोर्स के साथ मंगलवार की दोपहर भूड़े का चौराहा ईदगाह रोड स्थित पूर्व विधायक हाजी इकराम कुरैशी के आवास के सामने पहुंचा। प्रवर्तन दल में शामिल अभियंताओं ने पूर्व विधायक के घर के पास बनी दुकानों पर नोटिस चस्पा किया। नोटिस में लिखा गया था कि करीब 100 वर्गमीटर भूखंड के बेसमेंट, भूतल और प्रथम तल पर सैट बैक कवर करते हुए दुकानों का निर्माण अवैध ढंग से किया गया है। दुकानों का निर्माण करने के लिए कोई नक्शा प्राधिकरण से स्वीकृत नहीं कराया गया है। 10 अक्तूबर 2024 को नोटिस भेजा गया था। फिर भी दुकानों का चोरी छिपे निर्माण जारी रहा। इस मामले में क्षेत्रीय अवर अभियंता ने 23 अगस्त को निरीक्षण किया। नोटिस चस्पा करने के बाद स्थानीय लोगों ने विरोध जताया। लोगों का आरोप था कि यह संपत्ति पूर्व विधायक की नहीं है। पुलिस ने विरोध जताने वालों को समझा बुझाकर शांत कर दिया। इस बीच प्रवर्तन दल ने पूरे भूखंड के सील की कार्रवाई की। एमडीए के खिलाफ मानहानि का करेंगे दावा पूर्व विधायक इकराम कुरैशी ने आरोप लगाया कि एमडीए ने उनके नाम का गलत इस्तेमाल करते हुए दुकानों पर सील की कार्रवाई की है। दुकानों से उनका कोई संबंध नहीं है। इस मामले में वह एमडीए के खिलाफ अदालत में मानहानि का दावा करेंगे।एमडीए की टीम ने तीनों स्थानों पर विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए पूर्व विधायक की दुकानों, व्यवसायी की फैक्टरी और पाकबड़ा में दुकानों की सील की कार्रवाई की है। - अंजूलता, सचिव एमडीए जेसीबी चलाकर फैक्टरी किया ध्वस्त मोहम्मद शकील ने गागन नदी के किनारे जन्नत बाग, मझोला में करीब 200 गज में अवैध ढंग से फैक्टरी का निर्माण कराया था। इस मामले में नोटिस जारी करने के बाद पता चला कि फैक्टरी का नक्शा एमडीए से स्वीकृत नहीं था। शकील ने गागन नदी के हिस्से का अतिक्रमण कर निर्माण किया था। मंगलवार को सहायक अभियंता तन्मय यादव के नेतृत्व में टीम ने अवैध ढंग से निर्मित फैक्टरी को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया। कैलसा रोड पर आधा दर्ज दुकानें सील एमडीए के प्रवर्तन दल ने बिना नक्शा पास कराए बनाई गई आधा दर्जन दुकानों को सील कर दिया। इन दुकानों को बागड़पुर गांव निवासी समरपाल सिंह ने बनवाया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कार्रवाई के बावजूद पाकबड़ा और इसके आसपास लोग खेती की जमीन पर लगातार बिना नक्शा पास कराए अवैध निमार्ण करा रहे है। एमडीए के अधिकारियों ने चेताया कि बगैर नक्शा पास कराए भवनों और दुकानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

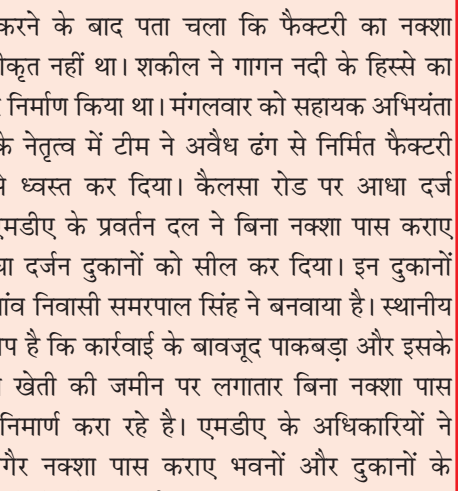

KTUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला व्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बीबीएल स्कूल में आज से शुरू होगी इंटर स्कूल बैडमिंटन प्रतियोगिता

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्री केके अग्रवाल कप बैडमिंटन चैंपियनशिप इंटर स्कूल प्रतियोगिता का बीबीएल पब्लिक स्कूल पीलीभीत रोड ब्रांच में 28 अगस्त से 30 अगस्त तक आयोजन होगा। प्रधानाचार्य डॉक्टर अल्पना जोशी ने बताया कि यह प्रतियोगिता बीबीएल पब्लिक स्कूल पीलीभीत रोड बरेली और जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रही है। इसका शुभारंभ 28 अगस्त को सुबह 10ः00 बजे होगा। बरेली बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष डीएल खट्टर और सचिव अनिल मेहरोत्रा ने बताया कि प्रतियोगिता में 28 स्कूलों के 350 विद्यार्थी विभिन्न आयु वर्ग में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि बरेली बैडमिंटन एसोसिएशन और बीबीएल स्कूल प्रबंधन का उद्देश्य इन प्रतियोगिताओं के जरिए जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों की खोज करना है ताकि यह हमारे शहर, प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकें।

श्री हरि मंदिर प्रांगण गूंजा हरि नाम से

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्री हरि मंदिर 65वां विराट भक्ति ज्ञान वार्षिक श्री राधा अष्टमी महोत्सव में भजन संध्याओं की श्रृंखला में आज 27/08/25 को श्री वृंदावन धाम से पधारे प्रसिद्ध भजन गायक पूज्य पारस लाडला एवं माधवी शर्मा ने भक्ति रस की फुहार में भक्तों को सराबोर कर दिया। भक्ति की ऐसी धुन बजी कि भक्तजन मग्न हो कर नृत्य करने लगे। श्री पारस लाडला एवं सुश्री माधवी शर्मा का भावपूर्ण भजन = जरा बंसी बजा मोहना,हम रास रचाएंगे....., एक मोर की कारण पुकार ,मेरे बांके बिहारी.....ज....., कैसे जियो मैं राधा रानी तेरे बिना .....,सखी मैं तो काले रंग पे वारी.....मेरी राधा रानी सरकार .....मेरी विनय मान लीजिए..... मेरी विनती यही है राधा रानी .....ज.....तेरी गलियों में आने जाने से...ज..... करुणामई कृपामई मेरी दयामयी श्री राधे.....ज..... पिला दे राधे राधे नाम की मस्ती..... आंखों का इंतजार है सरकार आपका .....बरसाना जाना है लौट के घर नहीं आना.....ज..... हम जिंदगी लूटने तेरे दर पर आए हैं आदि आदि भजनों से भक्तों को भाव विभोर कर दिया। श्री हरि मंदिर का पूरा प्रांगण राधामय हो गया । श्री पारस लाडला ने अपने उद्गार वक्त करते हुए कहा कि धर्म की रक्षा और अधर्म के विनाश हेतु मानव मात्र का परम कल्याण करने हेतु परमात्मा स्वयं संसार में अवतरित होते हैं। भगवान प्रेम के भूखे हैं इसलिए अपनी लीलाओं को पूर्ण करने के लिए, निज भक्तों को अपनी दिव्य माधुरी लीलाओं का रसपान करने के लिए परमात्मा निज धाम का त्याग कर लीला अवतार धारण करते है। आज परम पूज्य महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी श्री विवेकानंद जी महाराज भगवद धाम आश्रम हरिद्वार वालो के दिव्य दर्शन एवं आशीर्वाद रूपी अनमोल सत्संग के माध्यम से सभी भक्तजनों ने लाभ लिया और आनंदोत्सव में डुबकी लगाई। मंदिर समिति के सचिव श्री रवि छाबड़ा ने बताया कि राधाष्टमी महोत्सव के अंतर्गत कल की भजन संध्या में श्री वृंदावन धाम से पधारी भजन गायिका सुश्री माधवी शर्मा एवं पारस लाडला अपने भजनों के माध्यम से जुगल जोड़ी सरकार के श्री चरणों में अपनी हाजरी लगाएंगे।मंदिर समिति की तरफ से सभी भक्तजनों से निवेदन है कि अवश्य पधारे। आज के कार्यकम में मंदिर समिति अध्यक्ष सुशील अरोरा, सचिव रवि छाबड़ा, उपाध्यक्ष अश्वनी ओबेरॉय, संजय आनन्द, गोविन्द तनेजा,रंजन कुमार,हरीश लुनियाल,गिरीश आनन्द,अतुल कपूर,राजेश आनन्द, भाटिया जी,महिला मंडल अध्यक्ष रेनू छाबड़ा,कंचन अरोरा,नीलम साहनी,नीलम लुनियाल,नेहा आनंद,सीमा तनेजा, रजनी लूथरा,संगीता लूथरा, चांद खुराना, रजनी आनंद, आदि ने विशेष सहयोग किया ।

योगी सरकार की पहल: अब नन्हें मुन्नों को किताबों का बोझ नहीं, खेल-खेल में होगी पढ़ाई

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चों की शिक्षा को दी नई उड़ान, संस्कार व ज्ञान का अद्भुत संगम बरेली, 27 अगस्त।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप अब नन्हें मुन्ने बच्चों की शिक्षा में विशेष और बड़ा बदलाव शुरू हो गया है। अब तीन से छह साल तक के बच्चों को किताबों के बोझ से दूर खेल-खेल में पढ़ाई और संस्कार देने के लिए बाल वाटिका योजना लागू की गई है। बरेली जिले के 15 प्राथमिक विद्यालयों में आदर्श बाल वाटिकाओं की शुरुआत हो चुकी है। इन कक्षाओं में बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ कहानियां, गीत-संगीत, खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियो से जोड़ा जाएगा। योगी सरकार का उद्देश्य यह है कि बच्चे शिक्षा को बोझ नहीं बल्कि आनंद के रूप में अपनाएं और जीवन के शुरुआती चरण में ही सही दिशा पा सकें। संस्कार और आधुनिक शिक्षा का संगम योगी सरकार ने भारतीय परंपरा के संस्कारों को आधुनिक शिक्षा पद्धति से जोड़ते हुए यह पहल की है। यहां बच्चों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार, यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है और बच्चों की औपचारिक शिक्षा से पहले मजबूत नींव रखेगी। 2026 तक हर स्कूल में होगी बाल वाटिका योगी सरकार का लक्ष्य है कि 2026 तक प्रदेश के हर विद्यालय में बाल वाटिका स्थापित की जाए। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने बताया कि यह व्यवस्था बच्चों को केवल पढ़ाई ही नहीं बल्कि जीवनोपयोगी संस्कार भी देगी। यह उनकी आने वाली पढ़ाई और व्यक्तित्व निर्माण की मजबूत बुनियाद बनेगी। इससे संस्कारों, संस्कृति, परंपराओं और तकनीक के साथ उनके व्यक्तित्व का विकास होगा। बरेली जिले के ये स्कूल बने आदर्श केंद्र बरेली जिले के 15 विद्यालयों में रंग-बिरंगे और रोचक माहौल वाली कक्षाओं में बच्चे नई शिक्षा प्रणाली से जुड़ रहे हैं। भुता ब्लॉक का अठाना प्राथमिक विद्यालय बिथरी चैनपुर का रूपापुर प्राथमिक विद्यालय भोजीपुरा का गोटिया मुड़िया हाफिज प्राथमिक विद्यालय मझगवां का चंदनपुर प्राथमिक विद्यालय दमखोदा का मुरारपुर प्राथमिक विद्यालय रामनगर का लीलौर चाहरम प्राथमिक विद्यालय भदपुरा का अलहैया प्राथमिक विद्यालय फतेहगंज पश्चिमी का पटवाईया प्राथमिक विद्यालय आलमपुर जाफराबाद का मिल्क प्राथमिक विद्यालय क्यारा का पीएम श्री विद्यालय (सिमरा बोरीपुर) फरीदपुर का हरेला प्राथमिक विद्यालय शेरगढ़ का डूंगरपुर प्राथमिक विद्यालय नवाबगंज का इनायतपुर प्राथमिक विद्यालय मीरगंज का चुराई दलपतपुर प्राथमिक विद्यालय बहेड़ी का हथमना प्राथमिक विद्यालय

मॉडल बालवाटिकाएँ
जनपद बरेली

उत्तर प्रदेश लखनऊ के द्वारा दूरभाष से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / जनपद पीलीभीत सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है

कि समाज कल्याण विभाग द्वारा जनपद पीलीभीत में नवनिर्मित जय प्रकाश नरायण सर्वोदय विद्यालय माधोटाण्डा पीलीभीत में निदेशालय, समाज कल्याण उत्तर प्रदेश लखनऊ के द्वारा दूरभाष से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में शिक्षा सत्र 2025-26 में कक्षा 6, 7 एवं 8 में ग्रामीण क्षेत्र के 85 प्रतिशत तथा नगरीय क्षेत्र के 15 प्रतिशत छात्र, जिसमें अनुसूचित जाति 60ब्र, अन्य पिछड़ा वर्ग 25 ब्र तथा सामान्य वर्ग के 15ब्र छात्रों के प्रवेश की व्यवस्था है, के क्रम में कक्षा 6 से 8 में रिक्त स्थानों के सापेक्ष प्रवेश परीक्षा आयोजित कराकर प्रवेश लिये जाने हैं। आवासीय विद्यालय में समस्त भोजन, पुस्तक आदि समाज कल्याण विभाग द्वारा नि:शुल्क प्रदान की जाती हैं। इच्छुक अभिभावकों जो उत्तर प्रदेश के निवासी हों, आवेदन पत्र विद्यालय से नि:शुल्क दिनांक 02.09.2025 तक प्राप्त कर सम्पूर्ण प्रविष्टयों को पूर्ण करने उपरान्त जमा किए जा सकते हैं। दिनांक 03.09.2025 को पूर्वान्ह प्रवेश परीक्षा जय प्रकाश नरायण विद्यालय माधोटाण्डा, पीलीभीत में आयोजित की जानी है।

दहेज की मांग ने बिगाड़ा गृहस्थ जीवन, विवाह के तीन महीने बाद ही नवविवाहिता का उत्पीड़न, पति-ननद समेत छह पर मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली। दहेज प्रथा के कारण एक और गृहस्थ जीवन उजड़ गया। बारादरी क्षेत्र में शादी के केवल तीन महीने बाद ही नवविवाहिता का जीवन नरक बन गया। आरोप है कि पति और ससुरालजन बुलेट मोटरसाइकिल और पांच लाख रुपये नकद की मांग पूरी कराने के लिए उस पर लगातार दबाव बनाते रहे। विरोध करने पर पति व ननद ने न केवल मारपीट की, बल्कि गला दबाकर जान से मारने का प्रयास भी किया। इतना ही नहीं, महिला का आरोप है कि चचेरा देवर उस पर गलत नजर रखता और दादा ससुर आए दिन गालियां देकर मानसिक उत्पीड़न करते थे। थाने पहुंचकर पीड़िता ने पति समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। थाना क्षेत्र के ग्राम हरुनगला निवासी पारुल दिवाकर की शादी इसी साल मई में फरीदपुर के ग्राम लौंगपुर करफिया निवासी अमन दिवाकर से हुई थी। पीड़िता के पिता महेंद्र माथुर ने अपनी हैसियत से ज्यादा खर्च करते हुए करीब नौ लाख रुपये दहेज में दिए। इसमें बाइक, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान और सोने-चांदी के गहने शामिल थे। इसके बावजूद ससुराल पक्ष की नजर बुलेट मोटरसाइकिल और पांच लाख रुपये नकद पर टिकी रही। शुरुआती दिनों में प्यार, फिर शुरू हुआ उत्पीड़न पारुल का कहना है कि शादी के शुरुआती पंद्रह दिन तक सब कुछ सामान्य रहा। इसके बाद ससुरालियों का असली चेहरा सामने आ गया। पति अमन और ननद अंशु अक्सर उसे ताने मारते और कमरे में पीटते थे। आरोप है कि एक दिन पति ने गुस्से में आकर गला दबाकर जान लेने की कोशिश भी की। वहीं, सास-ससुर सब कुछ देखते रहे लेकिन बचाने की जगह चुपचाप तमाशा देखते रहे। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पति ने उसका मोबाइल फोन तोड़ डाला और धमकाते हुए कहा कि मायके से रुपये और बुलेट नहीं लाई तो अंजाम बुरा होगा। बार-बार की प्रताड़ना से परेशान होकर पारुल ने किसी तरह मायके में पिता को सूचना दी। अगले ही दिन पिता पुलिस लेकर ससुराल पहुंचे और बेटी को वहां से निकाल लाए। महिला ने बताया कि उसका चचेरा देवर विचित्र उस पर गलत नजर रखता था। आरोप है कि नहाते समय झांकता और विरोध करने पर धमकाता था कि तू क्या कर लेगी। इस हरकत से परेशान होकर वह मानसिक तनाव में रहने लगी। वहीं, दादा ससुर मेघनाथ भी आए दिन उसे गालियां देकर मानसिक प्रताड़ना देते थे। पारुल ने थाना बारादरी में पति अमन, ननद अंशु, देवर विचित्र, दादा ससुर मेघनाथ और अन्य ससुरालजनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और अश्लील हरकतों की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बारादरी इंस्पेक्टर धनंजय पांडे ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बरेली से माउंट मुकुट पर्वतारोहण अभियान का शुभारंभ, लेफ्टिनेंट जनरल ने हरी झंडी दिखा यात्रा को किया रवाना

माउंट मुकुट पर्वतारोहण अभियान के लिए सेना के 15 जवानों का दल बरेली से रवाना हुआ। यह यात्रा सितंबर में पूरी होगी। गढ़वाल हिमालय क्षेत्र में माउंट मुकुट पर्वतारोहण अभियान को उत्तर भारत क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल डीजी मिश्रा ने बुधवार को बरेली से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पंचशूल ब्रिगेड के तत्वावधान में आयोजित 12वीं बटालियन जम्मू एवं कश्मीर राइफल्स के 15 जवानों वाला यह अभियान दल सितंबर 2025 के मध्य में माउंट मुकुट (7045 मीटर) पर चढ़ने का प्रयास करेगा।समारोह बरेली में आयोजित किया गया, जहां जनरल ऑफिसर कमांडिंग ने टीम के सदस्यों से बातचीत की और उन्हें सुरक्षित एवं स्वस्थ अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं। टीम ने पहले कुमाऊं क्षेत्र में किट-अप, फिटनेस प्रशिक्षण और एक विशेष प्रशिक्षण कैप्सूल लिया था। अब वे माउंट मुकुट पर चढ़ाई शुरू करने के लिए माना की ओर बढ़ेंगे। जनरल ऑफिसर कमांडिंग ने कहा कि यह अभियान भारतीय सेना के जवानों के कठोर प्रशिक्षण का प्रमाण है और हिमालय में एक अडिग चोटी पर विजय प्राप्त करने के उनके अदम्य साहस को दर्शाता है। यह साहस, सहनशक्ति और सूर्य एवं हिम के योद्धाओं के आदर्शों को बनाए रखने की यात्रा है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

श्रमिकों ने विगत वर्ष में 90 दिन या उससे अधिक दिन का कार्य किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / जनपद पीलीभीत जिलाधिकारी महोदय पीलीभीत के पत्र संख्या 446/ओ0एस0डी0-2025 दिनांक 21.08.2025 के द्वारा उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार अधिनियम 1996 में दी गयी व्यवस्था के अनुसार भवन निर्माण श्रमिक, मनरेगा श्रमिक, ईंट भटठा पर कार्य करने वाले ऐसे निर्माण श्रमिक जिनके द्वारा विगत एक वर्ष में 90 दिवस या उससे अधिक दिवसों में कार्य किया गया है, का पंजीयन विशेष अभियान चलाकर कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उपरोक्त के अनुक्रम में मुख्य विकास अधिकारी, पीलीभीत के आदेशानुसार भवन एवं अन्य सन्निर्माण में जिन श्रमिकों ने विगत वर्ष में 90 दिन या उससे अधिक दिन का कार्य किया गया हो, उन श्रमिकों से अपील की जाती है कि वे अपना पंजीयन / नवीनीकरण उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में कराये जाने हेतु जनपद पीलीभीत के विकास खण्डों में निम्न विवरण के अनुसार लगाये जा रहे कैम्पों में अपने साथ कम से कम 90 दिन मनरेगा / निर्माण कार्य में किये गये कार्य का प्रमाण-पत्र, श्रमिक का नवीन फोटो, परिवार के सभी सदस्यों के आधार कार्ड सकीय मोबाइल फोन एवं बैंक पासबुक लेकर आयें जिससे उनका पंजीयन / नवीनीकरण कराया जा सके। दिनांक 28.08.2025 ललौरी खेड़ा दिनांक 29.08.2025 मर?री दिनांक 30.08.2025 बरखेड़ा दिनांक 01.09.2025 पूरनपुर दिनांक 02.09.2025 बिलसंडा दिनांक 03.09.2025 अमरिया दिनांक 04.09.2025 बीसलपुर

राज्यमार्ग पर बेसहारा गायों को गौशाला में रखा जाए- एसडीएम ममता शाक्य

क्यूँ न लिखूँ सच / पिछोर की टेकरी सरकार, ढला तथा बामोर डामरोन की गौशालाओं का किया औचक निरीक्षण शिवपुरी, कलेक्टर रवीन्?द्र कुमार चौधरी द्वारा गत दिनों पूर्व राष्ट्रीय मार्ग पर बेसहारा गायों की स्थिति को देखते हुए, उनकी देखरेख करने हेतु निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में बुधवार को पिछोर अनुविभागीय दंडाधिकारी (राजस्व) ममता शाक्य द्वारा पिछोर नगर में संचालित श्रीटेकरी सरकार गौशाला एवं सिरसौद से पिछोर राज्यमार्ग पर चलने वाली शासकीय गौशाला ढला एवं बामोर डामरोन का औचक निरीक्षण किया। जहां पर निरीक्षण के दौरान गौशाला में क्रमशः 84,100, 103 गोवंश देखने को मिले। एसडीएम द्वारा सभी गौशाला संचालकों से गौशाला में साफ सफाई रखने तथा आने वाले पशुओं का रिकॉर्ड संधारण करने की बात कही। इसके साथ ही गौशाला में शेष बचे पशुओं को टैगिंग करने हेतु पशुपालन विभाग को निर्देश दिए गये। एसडीएम ने कहा कि यदि राजमार्ग पर बेसहारा गोवंश है, तो उनको भी गौशाला में लाया जाए तथा गौशाला में रखने हेतु संचालकों को निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने गौशाला की मृत गोवंश को बाहर खुले में न डालने को कहा गया, बल्कि उनके लिए ग्राम पंचायत की भूमि आरक्षित कर गड्ढा खोदकर नमक, चूना डालकर निष्पादित करने के निर्देश दिए। इस मौके पर पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर हेमंत ओझा सहित संबंधित गौशाला के संचालक, ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

ओड़गी-भैयाथान मुख्य मार्ग पर भीषण सड़क हादसा - कुंवर बस ने ओमनी वैन को मारी टक्कर, महिला की मौके पर मौत, चार लोग घायल - हादसे से क्षेत्र में मातम का माहौल

क्यूँ न लिखूँ सच / ओड़गी (सूरजपुर)। जिले के ओड़गी विकासखंड अंतर्गत ओड़गी-भैयाथान मुख्य मार्ग पर बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। कालामांजन के आलम घर के समीप कुंवर बस और ओमनी वैन की आमने-सामने भिड़ंत में लोग घायल हो गए। इस दर्दनाक घटना से पूरे हादसे की वजह प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बुधवार कुंवर बस तेज़ रफ्तार से कालामांजन पहुंची। उसी को उसने ज़ोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक हादसे में वैन में सवार अधेड़ महिला कबूतरी पति महिला सुशीला पति शिव गंभीर रूप से घायल हो अस्पताल सूरजपुर रेफर किया गया है। इसके अलावा चोटें आई हैं। पुलिस की तत्परता और केस दर्ज मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजा। कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के उसकी तलाश में जुटी है। मृतक परिवार को सहायता के परिजनों को तत्काल ग्राम पंचायत धरसेड़ी द्वारा

एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई जबकि चार इलाके में मातम का माहौल है। तेज़ रफ्तार बनी दोपहर लगभग दो बजे ओड़गी की ओर से आ रही समय धरसेड़ी की ओर से आ रही एक ओमनी वैन थी कि ओमनी वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस मंगल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरी गईं, जिन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ओड़गी से जिला वैन में सवार एक बच्चे समेत तीन लोगों को भी घटना की सूचना मिलते ही ओड़गी थाना पुलिस पुलिस ने कुंवर बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज बाद से बस चालक फरार बताया जा रहा है। पुलिस राशि प्रदान हादसे में मृत महिला कबूतरी पति मंगल 2000 रुपये की तात्कालिक सहायता राशि दी गई। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने परिवार को सांत्वना दी और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। मौके पर जुटी भीड़, जनप्रतिनिधि रहे मौजूद दुर्घटना की खबर लगते ही क्षेत्र के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे। इस दौरान बलराम सोनी, जनपद सीईओ ओड़गी निलेश कुमार सोनी, सचिव करमचंद यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। स्थानीय लोगों ने मृतक परिवार को ढांढस बंधाया और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। ग्रामीणों में आक्रोश, सड़क सुरक्षा पर उठे सवाल इस हादसे के बाद से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि ओड़गी-भैयाथान मुख्य मार्ग पर आए दिन तेज़ रफ्तार गाड़ियों के कारण हादसे होते रहते हैं। प्रशासन और पुलिस द्वारा कड़ी निगरानी नहीं होने से वाहन चालक लापरवाही से गाड़ियां दौड़ाते हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि - सड़क पर नियमित पुलिस गश्त हो। स्पीड ब्रेकर और चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं। हादसे के लिए जिम्मेदार ड्राइवरों पर कड़ी कार्रवाई हो। परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़ मृत महिला कबूतरी पति मंगल के परिवार पर अचानक दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में हर कोई गमगीन है। परिवारजन बिलख-बिलखकर रो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने शासन-प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक मुआवजा और सहयोग देने की मांग की है।

सरकार ने शुरू किया SPREE 2025, श्रमिकों को मिलेगा मज़बूत सामाजिक सुरक्षा कवच

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर- देश के सामाजिक सुरक्षा ढाँचे को और सशक्त बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने नियोक्ताओं और कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिए SPREE 2025 योजना (Scheme for Promotion of Registration of Employers and Employees) की शुरुआत की है। यह विशेष पंजीकरण अभियान 31 दिसंबर 2025 तक चलेगा, जिसके तहत नियोक्ताओं और श्रमिकों को ईएसआई (Employees' State Insurance) योजना से जुड़ने का सुनहरा अवसर मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पहल को श्रमिक कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता बताते हुए कहा, हमारी सरकार सभी श्रमिकों के लिए उदार और व्यापक सामाजिक सुरक्षा जाल के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस योजना का उद्देश्य लाखों असंगठित, अस्थायी और ठेका श्रमिकों को ईएसआई दायरे में लाना है, ताकि उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं, मातृत्व सहायता, आर्थिक सुरक्षा और अन्य सामाजिक लाभों का लाभ मिल सके। नियोक्ताओं के लिए भी कई राहतें दी गई हैं - पिछले बकाया अंशदान पर कोई पेनल्टी या मांग नहीं होगी, पुराने मामलों में निरीक्षण नहीं होगा और पंजीकरण उसी तारीख़ से मान्य होगा जो नियोक्ता घोषित करेगा। अभियान का विशेष जोर छत्तीसगढ़ पर है, जहाँ ईएसआईसी (ESIC) अपने क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय कार्यालयों-रायपुर, बिलासपुर, कोरबा और दुर्ग के माध्यम से जागरूकता अभियान, हेल्प डेस्क और संगोष्ठियों का आयोजन कर रहा है। 10 या अधिक कर्मचारियों वाले वे नियोक्ता, जो अब तक ईएसआई अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत नहीं हुए हैं या जिन्होंने सभी पात्र कर्मचारियों को शामिल नहीं किया है, वे ईएसआईसी पोर्टल, श्रम सुविधा पोर्टल या एमसीए पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।रायपुर स्थित ईएसआईसी के उपनिदेशक श्री रत्नेश राजन्य ने कहा, SPREE 2025 नियोक्ताओं के लिए स्वैच्छिक रूप से अनुपालन करने और अपने श्रमिकों को चिकित्सा सुविधा, मातृत्व सहायता और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ दिलाने का सुनहरा अवसर है। हमारा प्रयास इस प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और सभी हितधारकों के लिए लाभकारी बनाना है। इसके साथ ही, सरकार ने अमनेस्टी स्कीम 2025 को भी मंजूरी दी है, जो 1 अक्टूबर 2025 से 30 सितंबर 2026 तक चलेगी। इसके तहत नियोक्ताओं को ईएसआई अधिनियम से संबंधित विवादों और लंबित मुकदमों का निपटारा करने का एकमुश्त अवसर मिलेगा। ईएसआईसी ने प्रदेश के उद्योगों, एमएसएमई, सेवा क्षेत्र की इकाइयों और व्यापारिक संगठनों से अपील की है कि वे इस विशेष अभियान में सक्रिय भागीदारी करें और अपने कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ दिलाएँ। पंजीकरण के लिए नियोक्ता www.esic.gov.in पर जा सकते हैं या टोल-फ्री हेल्पलाइन 1800-11-2526 पर संपर्क कर सकते हैं।

डिजिटल फसल सर्वेक्षण हेतु खेतों में उतरा राजस्व अमला

सर्वेक्षण कार्य गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से हो पूर्ण:- कलेक्टर

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर- खरीफ वर्ष 2025-26 डिजिटल फसल सर्वेक्षण कार्य के लिए कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देश के अनुपालन में राजस्व अमला खेतों में पहुंचकर,सतत रूप से सर्वेक्षण कार्य का निरीक्षण कर रहा है । कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे सर्वेक्षण कार्य की सतत निगरानी करें और सुनिश्चित करें कि सभी प्रविष्टियाँ सही ढंग से दर्ज हों। प्रत्येक ग्राम में लगाए गए फसलों का डिजिटल सर्वेक्षण कार्य गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूरा होना चाहिए। सर्वेक्षणकर्ताओं द्वारा दर्ज की गई जानकारी का सत्यापन राजस्व निरीक्षक द्वारा अनिवार्य रूप से किया जाए। निर्धारित तिथि तक सर्वेक्षण कार्य पूर्ण करना अनिवार्य है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों को बार-बार दस्तावेज़ सत्यापन कराने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। एक बार दर्ज की गई जानकारी से न केवल उनकी कृषि उपज का रिकॉर्ड तैयार होगा, बल्कि उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपज बेचने में भी आसानी होगी। फसल से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारियाँ एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी, जिससे किसानों को योजनाओं और लाभों की जानकारी प्राप्त करने में सुविधा होगी। प्रशासन का मानना है कि यह पहल कृषि क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी और ग्रामवासी अपनी उपस्थित दर्ज करा रहे हैं ।

ठेकेदार हत्याकांड: माफिया अनुपम दुबे व साथी बाल किशन को 30 साल बाद उम्रकैद

अनुपम दुबे व उसके साथी को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सनाई है। पिता महेश चंद्र दुबे की हत्या का बदला लेने के लिए अनुपम दुबे ने घटना को अंजाम दिया था।पीडब्ल्यूडी ठेकेदार की 30 साल पहले माफिया अनुपम दुबे ने साथियों के साथ मिलकर गोली मारकर हत्या कर दी थी। मामले में

सुनवाई कर रहे ईसी एक्ट कोर्ट के न्यायाधीश तरुण कुमार सिंह ने मामले में अनुपम दुबे व साथी बालकिशन उर्फ शिशु को दोषी करार दिया। दोनों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। दोषियों पर 1.03 लाख रुपये बतौर जुर्माना लगाया।जनपद कन्नौज थाना गुरसहायगंज कस्बा समधन निवासी नसीम ने 26 जुलाई 1995 को भाई शमीम ठेकेदार की हत्या करने की रिपोर्ट अज्ञात के खिलाफ दर्ज कराई थी। इसमें कहा था कि भाई ठेकेदार शमीम की फतेहगढ़ के बजरिया अलीगंज के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई है। इस मामले में माफिया अनुपम दुबे, साथी बाल किशन उर्फ शिशु, राजेंद्र कुमार उर्फ राजू लंगड़ा, कौशल किशोर व लक्ष्मीनारायण का नाम प्रकाश में आया था। मामले में प्रथम विवेचना 26 जुलाई 1995 को फतेहगढ़ प्रभारी निरीक्षक इंद्रजीत सिंह चौहान ने शुरू की।13 सितंबर को विवेचना सीबीसीआईडी को स्थानांतरित कर दी गई थी। सीबीसीआईडी के इंस्पेक्टर आरपी यादव ने विवेचना कर राजू उर्फ लंगड़ा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया। आरोपी राजेंद्र कुमार उर्फ राजू लंगड़ा को न्यायालय से बरी कर दिया गया। इसके बाद मामले की विवेचना सीबीसीआईडी इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार शर्मा ने की। विवेचना पूरी कर इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार शर्मा ने डॉ. अनुपम दुबे, साथी बालकिशन उर्फ शिशु, कौशल किशोर व लक्ष्मीनारायण के खिलाफ हत्या के मामले में आरोप पत्र दाखिल किया। मामले की सुनवाई के दौरान माफिया के चाचा कौशल किशोर व लक्ष्मीनारायण की मौत हो गई। अभियोजन पक्ष की ओर से सुदेश प्रताप, तेज सिंह राजपूत, हरिनाथ सिंह, अभिषेक सक्सेना, श्रवण कुमार ने दलीलें दीं। मामले की सुनवाई कर रहे विशेष न्यायाधीश ईसी एक्ट तरुण कुमार सिंह ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनी। गवाहों व साक्ष्यों को मद्देनजर रखते हुए माफिया अनुपम दुबे, साथी बालकिशन उर्फ शिशु को दोषी ठहराया। प्रत्येक दोषी को उम्रकैद व 1.03 लाख रुपये बतौर जुर्माना की सजा सुनाई। जुर्माना अदा न करने पर एक साल अतिरिक्त कारावास भोगना होगा। माफिया अनुपम दुबे के मामले में सुनवाई की वजह से कचहरी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। कचहरी परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया। आठ थानों की फोर्स के साथ ही तीन सीओ मौजूद रहे। एएसपी डॉ. संजय कुमार ने भी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। ड्रोन कैमरे से पूरी कचहरी परिसर में आने-जाने वालों सहित सभी छोटी-बड़ी गतिविधियों पर नजर रखी गई।

संक्षिप्त समाचार

परिवहन विभाग द्वारा शिक्षार्थियों के लाइसेंस हेतु एक दिवसीय शिविर का किया गया है आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर- छ.ग. स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के निर्देश के अनुपालन में परिवहन विभाग द्वारा 29 अगस्त को रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय सूरजपुर एवं शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर में शिक्षार्थी लाइसेंस हेतु एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर स्थल पर ऑनलाइन आवेदन संबंधी प्रक्रिया शासन द्वारा विहित दर पर पूर्ण किये जाने हेतु शासन द्वारा अधिकृत लोक सुविधा केन्द्र/पीएसके स्टॉफ तथा परिवहन कार्यालय के स्टाफ उपस्थित रहेंगे। उक्त लर्निंग लाइसेंस_शिविर हेतु कुल 03 सेट कम्प्यूटर, 01 प्रिन्टर, आवश्यक कुर्सी-टेबल तथा इन्टरनेट सुविधायुक्त दो कमरे उपलब्ध कराया जायेगा ताकि शिविर का आयोजन सुनिश्चित हो सके।

श्री रामलला दर्शन योजना तहत सरगुजा संभाग से 850 श्रद्धालु अयोध्या के लिए हुए रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर- धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के दर्शन का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत सरगुजा संभाग से कुल 850 हितग्राही अयोध्या के लिए रवाना हुए। इनमें सूरजपुर जिले से 151 श्रद्धालु शामिल हैं। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, समाज कल्याण विभाग तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर श्रद्धालुओं को रवाना किया गया और उन्हें शुभकामनाएं दी गईं। प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु विशेष निगरानी दल भी गठित किया गया है, जो यात्रा के दौरान आवश्यक सहयोग प्रदान करेगा। श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल देखा गया, और उन्होंने सरकार के इस प्रयास की सराहना किया।

पीएमश्री योजना अंतर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में 05 दिवसीय कार्यशाला का किया जायेगा आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर-_ राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा रायपुर के निर्देशानुसार पीएमश्री योजना अंतर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 06 से 08 तक अध्यापन कराने वाले शिक्षक, शिक्षिकाओं के क्षमता निर्माण कार्यशाला उच्च शिक्षण संस्थाओं के साथ मिलकर गणित, विज्ञान एवं टक्नोलॉजी में 04 सितंबर से 08 सितंबर तक 05 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। जिसमें सूरजपुर जिले से 07 शिक्षक क्रमश: खूबचंद राजवाड़े (पीएमश्री सेजेस जयनगर), हिमांशु शर्मा (पीएमश्री सेजेस बतरा), लोमेश सिन्हा (पीएमश्री सेजेस रामानुजनगर), विशाखा पासी (पीएमश्री सेजेस प्रेमनगर), मुस्कान अग्रवाल (पीएमश्री सेजेस सूरजपुर), रविन्द्र कुमार भगत (पीएमश्री सेजेस ओड़गी) एवं विशाल शर्मा (पीएमश्री इ.एम.आर.एस शिवप्रसादनगर) का राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा द्वारा चयन किया गया है।

सेंट पैट्रिक्स स्कूल की बस में लगी आग, परतापुर थाने के सामने हुआ हादसा, 18 बच्चे थे सवार

दिल्ली रोड पर परतापुर थाने के पास सेंट पैट्रिक्स स्कूल की बस में आग लग गई। बस में सवार 18 बच्चों को सकुशल नीचे उतार दिया गया। जैसे ही बच्चे उतरे, आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।परतापुर बाईपास स्थित सेंट पैट्रिक्स स्कूल के छात्रों को छुट्टी के बाद घर छोड़ने जा रही स्कूल बस में परतापुर थाने के पास अचानक आग लग गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए बस में सवार 18 छात्रों को नीचे उतार दिया। इसके बाद आग ने बस को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया। बस चालक धीर सिंह ने बताया गया कि आगे चल रहे ऑटो ने अचानक ओवरटेक किया तो उसने ब्रेक लगा दिए।इसके बाद अचानक बस के अंदर से धुआं उठाने लगा। धुएं को देखकर तुरंत बच्चों को बाहर निकाला गया।इसके बाद बस धू-धू कर जलने लगी। आग की लपटें देखकर बच्चे सहम गए। सूचना पर फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। हादसे की जानकारी मिलने पर अभिभावक मौके पर पहुंचे और बच्चों का हाल जाना।इसके बाद दूसरी बस से बच्चों को उनके घर के लिए रवाना किया गया। कुछ अभिभावक खुद अपने वाहनों से बच्चों को ले गए। अभिभावकों ने स्कूल की सभी बसों की फिटनेस चेक कराने की मांग की है।

एसआरपी इंटर कालेज के परिसर में भूमि पूजन कार्यक्रम हुआ

विधान परिषद सदस्य रमा आरपी निरंजन ने विधि विधान से भूमि पूजन किया

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार / कोंच(जालौन) नगर के एस आर पी इंटर कालेज कोंच में आज बुधवार को पथ निर्माण हेतु भूमि पूजन की आधारशिला रखी इस भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधान परिषद की सदस्य श्री मति रमा निरंजन उनके प्रतिनिधि आर पी निरंजन विशिष्ट अतिथि विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष महंत गुरुप्रसाद जी पूर्व पालिका अध्यक्ष विनीता सिरोठिया प्रबंधक नीरज कुमार प्रधानाचार्य आशीष पोरवाल मंचस्थ थे जब की अध्यक्षता पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री भानुप्रताप सिंह वर्मा ने की अतिथि यों द्वारा मां सरस्वती के पूजन अर्चन के साथ शुभारंभ हुआ इसके बाद अतिथियों द्वारा कालेज परिसर में पथ निर्माण हेतु भूमि पूजन किया इसके बाद अतिथियों कालेज के प्रबंधक नीरज कुमार प्रधानाचार्य आशीष पोरवाल आदि ने माल्यार्पण कर अंग वस्त्र उड़ाकर सम्मान किया इस अवसर पर बोलते हुये मुख्य अतिथि रमा निरंजन ने कहा कि इस कालेज में छात्र पढ़ाई करके कुछ न कुछ करके ही निकलते है छात्र छात्राओं से आवाहन किया की आप मेहनत कर कोंच का नाम रोशन करे मेरे पति आर पी निरंजन ने महिला सशक्ति करण को बढ़ावा दिया है इसी की देन है कि आज में जो कुछ भी हूं उन्हीं की देन है उन्होंने कहा कि यदि आप बुजुर्गों का सम्मान करेंगे तो निश्चित ही ऊंचाइयों तक पहुंचेगे आरपी निरंजन ने कहा कि आप हम इतने मजबूत है जो सब अपने माता पिता की आशीर्वाद से है मैने इस स्कूल में शिक्षा ग्रहण की उन्होंने कहा कि आज संस्कार और अनुशासन की जरूरत है शिक्षा की सबसे बड़ी पूजी है अपने माता पिता के चरण छूने से ही आज वह यहां तक पहुंचे है उन्होंने कहा कि निधि से इस कार्य के लिये चौदह लाख तिरपन हजार रूपये की लागत से यह निर्माण कार्य किया जायेगा उन्होंने कहा कि आज प्रतिनिधि जनता की वास्तविक सेवा में लगे रहे न अपनी कोठी बनाने में लगे है उन्होंने कहा कि जनता सब जानती है इस लिए जनता के सेवा में लगे रहे इस अवसर पर विहिप जिलाध्यक्ष गुरुप्रसाद जी विनीता सिरोठिया नीरज कुमार आशीष पोरपाल ने अपने अपने विचार रखे अंत में अध्यक्ष ता के रहे भानु प्रताप वर्मा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों ने अपनी अपनी कोठिया बनवा ली उन्होंने कहा कि आप लोग आरपी निरंजन को विधायक बनवाओ तब यह प्रतिनिधि से दूर हो जाएंगे इस अवसर पर प्रोफेसर वीरेंद्र सिंह ओम शंकर अग्रवाल अवधेश पटेल नगर पालिका परिषद के सभासद महेंद्र सिंह कुशवाहा रघुवीर कुशवाहा सादाब अंसारी विनोद सोनी गौरव तिवारी लकी दुबे बलराम तिवारी अवध यादव विशाल बहरे छोटू राम प्रकाश निरंजन राघवेंद्र तिवारी संजय रावत सर्वेश निरंजन वीरेंद्र सिंह निरंजन चमरसेना कुक्कू दुबे अखलेश बबेले महावीर यादव रामबाबू तिवारी दादा सोहन बाजपेई मिस्टर पटेल धनोरा धर्मेंद्र राठौर हरिश्चंद्र पटेल सदूपुरा अमित वर्मा राम खिलौने संदी प्रेम नारायण वर्मा ओंकार नाथ पाठक संतोष तिवारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे

जिलाधिकारी ने संभाली छात्रा की शिक्षा की जिम्मेदारी

जनता दर्शन में फरियाद सुन भावुक हुए डीएम कहा मन लगाकर पढ़ो, अपने सपनों को पूरा करो

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एक मासूम छात्रा और उसकी माँ की व्यथा सुनकर भावुक हो उठे। पार्वती देवी अपनी पुत्री जानवी वर्मा के साथ जनता दर्शन में पहुँचीं। उन्होंने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा, जिसमें बीमा पॉलिसी की राशि न मिलने की पीड़ा दर्ज थी। जिलाधिकारी ने आत्मीयता से बातचीत करते हुए पार्वती देवी से पूछा आपका घर कैसे चलता है, पार्वती देवी ने गीली आँखों से कहा साहब मैं घर-घर जाकर काम करती हूँ।इसके बाद जिलाधिकारी ने छात्रा जानवी से पूछा बेटा, तुम पढ़ाई कर रही हो मासूम ने जवाब दिया जी मैं नाइंथ क्लास में पढ़ती हूँ। इस पर जिलाधिकारी ने मुस्कुराकर कहा मन लगाकर पढ़ो, जो ठाना है उसे पूरा करके दिखाना। बातचीत के दौरान जब छात्रा ने पिता के 2019 में निधन की बात बताई तो माहौल भावुक हो गया। जिलाधिकारी ने तुरंत घोषणा करते हुए कहा कि जानवी की शिक्षा-दीक्षा की पूरी जिम्मेदारी अब वे स्वयं उठाएँगे।जनता दर्शन का यह क्षण वहाँ मौजूद हर व्यक्ति के हृदय को छू गया। लोगों ने जिलाधिकारी की इस पहल को न सिर्फ सराहा, बल्कि बच्ची के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की।

जेतपुरा गांव में पुत्र ने पिता की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी, पुलिस मौके पर जांच पड़ताल में जुटी

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के थाना कैलिया क्षेत्र के ग्राम जैतपुरा से आज दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है यहां एक पुत्र ने अपने ही पिता पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी जबकि बीच बचाव करने पहुंची उसकी मां को भी उसने घायल कर दिया है जिस को गंभीर चोटें आई हैं वारदात को अंजाम देने के बाद पुलिस ने हत्यारोपी को मौके पर ही पकड़ लिया है

और उससे पूछताछ की जा रही है मंगलवार को ग्राम चौकीदार शिवचरण ने थाना कैलिया पुलिस को सूचना दी कि गांव के सुनील राठौर पुत्र मुन्नालाल राठौर 32 वर्ष ने अपने पिता मुन्नालाल राठौर (55 वर्ष) पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले में पिता की मौके पर ही मौत हो गई। बीच बचाव करने पहुंची उसकी मां मालती देवी को भी आरोपी बेटे ने कुल्हाड़ी से वार कर घायल कर दिया। उन्हें पुलिस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया है

वहीं घटना की खबर सुनकर कैलिया थाने के एस ओ अवनीश कुमार पटेल दरोगा मोहित कुमार यादव दरोगा विवेक मिश्रा दरोगा रूपेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और मृतक का शव कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर लिखा पड़ी की इस घटना की खबर पर जिले से फोरेंसिक टीम को बुलाया गया जो जांच पड़ताल कर सबूत जुटाने में लग गई है इस घटना को लेकर गांव वालों ने पुलिस को बताया

कि आरोपी युवक सुनील राठौर मानसिक रूप से अस्वस्थ रहता था और आए दिन घर में लड़ाई झगड़ा और रोज विवाद करता रहता था घटना के समय भी उसने अचानक गुस्से में आकर अपने पिता पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई इस पर पुलिस ने आरोपी पुत्र सुनील राठौर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है इस घटना पर सीओ शैलेन्द्र कुमार बाजपेई ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी और गांव में शांति व्यवस्था हेतु पुलिस मौजूद है स्थिति सामान्य है

सड़क की बदहाली बनी मौत का सबब: छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश जोड़ने वाली प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क पर रोज हादसे, ग्रामीणों की जिंदगी दांव पर

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले को मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले से जोड़ने वाली प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत बनी नवाटोला बेरियर से सिंगरौली जोड़ मार्ग इस समय अपनी बदहाली की कहानी बयां कर रहा है। करोड़ों की लागत से करीब आठ से दस साल पहले बनी यह सड़क आज पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। सड़क के दोनों ओर हरियाली तो है, लेकिन बीच का मार्ग जगह-जगह दो से तीन फीट गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुका है। जहां कभी डामर की परत थी, वहां आज केवल मिट्टी, गिट्टी और उखड़ा हुआ डामर दिखाई देता है। इस सड़क पर चलना आसान नहीं, बल्कि मौत से खेलना है। रोजाना हो रहे हादसे ग्रामीणों के अनुसार इस मार्ग पर रोजाना एक से दो सड़क दुर्घटनाएं होना आम बात हो गई है। दोपहिया वाहन चालक गड्ढों में फंसकर गिर जाते हैं, वहीं चारपहिया वाहनों का निचला हिस्सा गड्ढों से टकराकर क्षतिग्रस्त हो जाता है। बरसात के दिनों में हालात और भी भयावह हो जाते हैं, जब गड्ढे पानी से लबालब भर जाते हैं और राहगीरों को अंदाजा भी नहीं होता कि कहां सड़क है और कहां गड्ढा। कई बार तो एम्बुलेंस और मरीज लेकर जाने वाले वाहन इसी रास्ते पर घंटों फंसे रहते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि देर से अस्पताल पहुंचने की वजह से मरीजों की जान तक खतरे में पड़ चुकी है। जनप्रतिनिधियों और विभाग की अनदेखी स्थानीय लोगों ने कई बार इस सड़क की मरम्मत की मांग विभागीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से की है। ग्रामीणों ने ज्ञापन भी सौंपे और आंदोलन की चेतावनी भी दी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। सड़क निर्माण के बाद से अब तक एक बार भी इसकी मरम्मत नहीं की गई। ग्रामीणों का कहना है कि नेताओं द्वारा चुनावी वादों में सड़क दुरुस्ती का आश्वासन दिया गया, लेकिन चुनाव जीतने के बाद सभी ने इस मार्ग की ओर ध्यान ही नहीं दिया। महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग पर संकट यह सड़क केवल एक गांव या कस्बे की नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बीच की जीवनरेखा है। सूरजपुर जिले से सिंगरौली जिले को जोड़ने वाली यह सड़क व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। छात्र-छात्राएं इसी रास्ते से स्कूल और कॉलेज पहुंचते हैं। व्यापारी अपने सामान की ढुलाई इसी सड़क से करते हैं। मरीजों को जिला मुख्यालय और सिंगरौली ले जाने के लिए यही प्रमुख मार्ग है। लेकिन जर्जर सड़क के कारण लोग जान जोखिम में डालकर गुजरने को मजबूर हैं। ग्रामीणों की नाराजगी चरम पर लोगों का कहना है कि अगर शासन-प्रशासन ने जल्द ही इस सड़क की मरम्मत नहीं कराई तो वे बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि अब और चुप नहीं बैठेंगे। ग्रामीणों की मांग है कि तुरंत सड़क की मरम्मत कराई जाए और भविष्य में भी नियमित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों की जान बचाई जा सके और विकास की असली तस्वीर सामने आ सके। यह सड़क आज बदहाली का प्रतीक बन चुकी है। यदि समय रहते शासन-प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया तो यह मार्ग किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। ग्रामीणों की यही गुहार है कि सरकार केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर विकास दिखाए।

संक्षिप्त समाचार

जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सुनी गई जन समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच /शैलेन्द्र कुमार पांडेय / पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया ।

चोरी के माल के साथ 30 घण्टे के अन्दर किया गया गिरफतार

क्यूँ न लिखूँ सच /शैलेन्द्र कुमार पांडेय / - घर के अन्दर से रुपये 3,95,000 चोरी करने वाले 02 अभियुक्तों को चोरी के 100ब माल के साथ 30 घण्टे के अन्दर किया गया गिरफतार विवरण- पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद बहराइच द्वारा अपराध नियंत्रण व अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अनुक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर महोदय व क्षेत्राधिकारी नगर महोदय के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली नगर जनपद बहराइच के निर्देशन में दिनांक 26.08.2025 को उ0नि0 श्री सुरेन्द्र प्रताप बौद्ध मय हमराह व स्वाट टीम द्वारा मु0अ0स0- 184/25 धारा- 305(ं)/317(2) BNS से सम्बन्धित अभियुक्तगण 1. देवानंद श्रीवास्तव पुत्र बनारसी लाल श्रीवास्तव उम्र 32 वर्ष 2. मोहित लाल पुत्र बनारसी लाल उम्र करीब 35 वर्ष निवासीगण परसौरा माफी पोस्ट टेडवा महन्त थाना इकौना जनपद श्रावस्ती को मा0 सर्वोच्च न्यायालय व मानवाधिकार के आदेशो निर्देशो का अक्षरश: पालन करते हुये मो0 मंसूरगंज के पास से गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय बहराइच के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु पुलिस अभिरक्षा में रवाना किया गया ।

नदीगांव पुलिस ने वारंटी को गिरफ्तार किया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के थाना नदीगांव के प्रभारी निरीक्षक शशिकांत सिंह चौहान के निर्देशन में वारंटी पकड़ो अभियान के तहत उनकी पुलिस टीम ने आज बुधवार को दाण्डिक प्रकीर्ण वाद संख्या 158/2024 धारा 128 सीआरपीसी सम्बन्धित एनबीडब्लू वारण्टी बीरेन्द्र पुत्र रामस्वरूप निवासी ग्राम खुर्द थाना नदीगांव उम्र करीब 28 वर्ष को गिरफ्तार किया है और न्यायालय विशेष न्यायाधीश परिवार न्यायालय उरई में पेश कर भेज दिया गया

सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी पद हेतु चयन एवं प्रतिक्षा सूची जारी

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर- डी.एम.एफ. मद अंतर्गत सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी के पदों पर संविदा भर्ती हेतु मेरिट सूची अनुसार कुल 27 पात्र आवेदकों का दस्तावेज सत्यापन के लिए 25 अगस्त को प्रात: 11:00 बजे से आमंत्रित किया गया था। उक्त दस्तावेज सत्यापन में सूची अनुसार उपस्थित कुल 21 पात्र आवेदकों का दस्तावेज सत्यापन उपरांत मेरिट अनुसार चयन एवं प्रतिक्षा सूची तैयार किया गया हैं चयन एवं प्रतिक्षा सूची को भर्ती हेतु चयन समिति द्वारा अनुमोदन पश्चात जिले के एनआईसी की वेबसाइट Surajpur.gov.in पर अपलोड किया गया है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

Do you miss eating and drinking during cancer treatment? Know the reason; do these things to deal with side effects

Cancer is a serious disease, the treatment of which brings many challenges related to food. Loss of appetite, change in taste, vomiting and digestive problems are common during treatment.

These problems are seen during treatment. If attention is not paid to food, then the problems can increase even more. Cancer is a fatal disease. Its treatment is full of pain. In this, the patient loses his appetite and thirst. Cancer is a serious disease. If you have this disease, you need to get treatment for a long time. If this disease is identified in time, then its treatment can be easy. But have you ever noticed that there is a lot of change in the diet of people undergoing cancer treatment. They do not feel like eating anything. Why does this happen? Let us tell you that food is a need of our body. But if you are struggling with this problem, then you must read this article of ours. We are going to give you detailed information. Challenge of cancer and food-Cancer and its treatment have a bad effect on eating habits. During treatment, problems like loss of appetite, change in taste, vomiting, nausea and digestion start occurring. Due to these reasons, patients are not able to eat properly, which can lead to weight loss, weakness and lack of energy. Taking a healthy diet strengthens immunity. It helps in bearing the pain of treatment. Why does cancer affect eating? If cancer has occurred in the mouth, throat or stomach and intestines, then it can cause difficulty in swallowing food. On the other hand, chemotherapy causes vomiting, nausea and change in the taste of the mouth. Whereas radiotherapy causes dry mouth, pain or loose motion. Due to which there is no desire to eat. Apart from this, physical and mental fatigue also reduces the desire to cook or eat food. Why do problems arise? A study published in the National Library of Medicine states that chemotherapy and radiotherapy often lead to loss of appetite, change in taste and digestion related problems. This can also cause malnutrition. Loss of appetite can make the patient feel full quickly. There is no desire to eat. Due to this, weight loss and weakness become common. Food should be taken 3 times a day. Try to include energy-rich snacks like smoothies, nut butter in the diet. Change in taste The taste of the mouth may seem bland due to treatment. Strongly aromatic things can cause vomiting. You can eat cold things like curd, salad or sandwich. Use herbs or lemon for mild taste. Vomiting and indigestion Chemotherapy or radiotherapy often cause these problems. It can also cause dehydration. Eat light and simple food, like toast or rice. You can drink ginger tea. Avoid oily foods. Digestion problems also include constipation, loose motion or bloating. This is because of medicines and lack of physical activity. To avoid this, drink plenty of water. In case of constipation, take light fiber (like oats) and in case of diarrhea, eat low-fiber food (like rice, banana).

Have the children gone far away for studies or job? Parents should adopt these 5 ways to overcome emptiness

When children go away from home sometimes for studies, sometimes for career or any other reason, parents get worried. Whereas all the preparations were for this day that they touch the sky of success. Psychologist and family counselor Dr. Deepali Batra is telling that with the right thinking and preparation, this situation can be easily handled... There comes a time when children go away from home for studies or job. At that time, parents feel a strange emptiness in the house. You can fill this emptiness in 5 ways and make a new beginning. Just like a bird finds the nest empty after its children fly away, parents feel something similar. When children grow up and go away from home for studies or career, many parents feel lonely and sad. This is called empty nest syndrome. This is not a disease, but a natural emotional reaction. It particularly affects those people whose identity and routine revolves around taking care of children. In such a situation, how to prepare yourself and give a new flight to your relationship with the children who have gone away. Be emotionally prepared It is very important to understand that the child's progress is necessary for his career and personal development. Parents should be emotionally prepared for this change. When you accept that the child's going away is necessary for his growth, then you will be able to see this change positively. Re-groom your life Till now you have spent your whole life only around the children. Now that they have left on their flight, see it not as sadness but as an opportunity. Instead of pulling the children back, move forward yourself. This is the time when you can focus on your hobbies, goals and new routine. Spend time with your friends and relatives. Strengthen your relationship with your partner. Go for a walk together, do yoga or start any activity of common interest. When you yourself are happy and busy, your dependence on children will be less and they will also be happy to see you. This is how the relationship will be strengthened. The house looks green till the children come for holidays or festivals. But even in these few days, they are able to spend only a little time with you. The remaining time is spent with friends and their own work and in the meantime the holidays are over. Here keep in mind that focus more on the quality of time spent with children than the quantity. Whenever you are together, create an environment where they can share their thoughts without any fear or restriction. Listen to each other and understand. The real purpose of parenting is to create a relationship where both the child and the parent feel safe. A bond that has love, respect and mutual understanding. When the child feels safe and important in the life of the parents, this relationship lasts for a long time. Instead of asserting authority towards their children, parents should encourage them to become self-reliant. Communication should be better. When children are away, communication becomes very important. If children are becoming tech-savvy, then use technology to reduce this distance in life. Connect on internet media, create a family group on WhatsApp, share special photos and videos of your daily activities, but also understand that children may not always be available. If they are unable to answer the phone, do not take it personally. Avoid thinking or speaking negative thoughts like 'my child has forgotten me', 'I am no longer important to him' or 'he does not even like to talk to me now'. While talking to them, ask about their daily routine and make them feel that you are listening to them without judging them. Why hesitate to seek professional help If you are feeling very lonely and depressed and are unable to handle things, do not hesitate to seek help from a specialist. Talking to a psychologist can help you get out of this situation. Children leaving home is a natural part of life. It is an opportunity for parents to start a new chapter in their lives and you can maintain a strong, healthy relationship with the children.

Why are couples choosing Marriage Graduation instead of divorce? Know everything about this Japanese trend

A new relationship trend called Marriage Graduation is in the news these days in Japan. This is a way of looking at traditional marriage relationships from a new perspective. In this, the husband and wife decide to live a separate life with mutual consent without the bitterness and stress of divorce. Many trends go viral on social media. Marriage Graduation is in trend these days. Couples remain free in Marriage Graduation. In India, marriage is considered a sacred bond. After marriage, husband and wife become complementary to each other. But nowadays marriages are being seen in many ways all over the world. Recently, a new relationship trend has emerged in Japan, which is being discussed a lot. This trend has been named Marriage Graduation. This trend is an attempt to look at traditional marriage relationships from a new perspective. It is also being considered an option for divorce. However, this is not a new trend, but it started in the year 2000. Our article today is also on this topic. We are going to give you complete information about Marriage Graduation. Let us know in detail - What is Marriage Graduation? Marriage Graduation or Sotsukon is a relationship in which the husband and wife decide to live their lives separately with mutual consent. There is no bitterness like divorce, court hassles and emotional stress in this. Rather, it is a decision taken with mutual respect and consent. For those who consider their dreams, personal goals or freedom as everything, this is considered to be a great option. Marriage Graduation vs Divorce Divorce and marriage graduation are both ways of ending a marriage, but there is a huge difference between them. Divorce is a legal process, which is often very difficult and stressful. In this, the husband and wife get separated and their relationship ends completely. Whereas in marriage graduation, the relationship does not end, but it is given a new name. This happens with mutual consent. This is how husband and wife can live In this, the husband and wife no longer live like husband and wife, but can live as friends or roommates. Some people live separately in the same house and take up their responsibilities themselves. At the same time, some people start living in different houses, but still meet and help each other. The biggest advantage of marriage graduation is that it does not require any lawyer or court. This is much easier than divorce. Also know that marriage graduation is a new way in which people can celebrate their growth and independence while still being in a relationship. This is considered especially good for women because they can become self-dependent and create their own identity even while being in a relationship.

Krrish's wax mask was made in 6 months, Rakesh Roshan did this Jugaad to save it from melting

Krrish directed by Rakesh Roshan was a classic superhero movie. Hrithik Roshan's look was also very attractive, especially his mask. Recently, Rakesh has shared many interesting stories related to Krrish's mask. He told what he had to do to make and save it. Rakesh Roshan had directed Krrish Hrithik Roshan's outfit was very heavy Hrithik had to change the mask in 3-4 hours Whenever we talk about Krrish movie, the first thing that comes to mind is the look of Hrithik Roshan who became a superhero. His superhero look in the film was amazing, especially Krrish's mask. But do you know how much time it took to make Krrish's mask. You will be surprised to know how difficult it was to shoot with this mask. Recently, the director of the film, Rakesh Roshan, has shared an anecdote related to the mask. Krish's mask was made in 6 months Actually, Farah Khan recently went to Rakesh Roshan's house for her food vlog where the director shared an anecdote about Krish's mask with her. Farah asked him how much time it took to make the mask, to which Rakesh said, "It took 6 months to make it because we were designing which look would look good on Hrithik. Be it an outfit or a mask. It took 6 months to make it. Krish's mask was made of wax Rakesh Roshan also revealed that Hrithik Roshan liked his Krish outfit very much. After this, he talked about the mask which was made of wax and he used an AC bus to protect it. He said, "The mask was made of wax. Hrithik used to wear the mask for three to four hours. The wax melts. So he had to remove it and then put a new one. I had an AC bus in which the AC used to run 24 hours." Hrithik Roshan's upcoming movie After giving three superhit movies of the Krrish franchise, now Rakesh Roshan is bringing the fourth installment but this time Hrithik Roshan himself will take over the direction. Last year itself Rakesh had announced Krrish 4. Currently, pre-production work is going on for the film. These days Hrithik is enjoying the success of his latest release movie War 2.

Yash is doing a better movie than Saiyaara...', Sunita Ahuja said this about Ahan Pandey's film

Govinda and Sunita Ahuja's son Yash Ahuja is also preparing to step into the film world. Meanwhile, Sunita has recently given a statement about Ahan Pandey and Anit Padda starrer movie Saiyaara. She says that Yash is doing a better movie than this. Sunita Ahuja's statement about Saiyaara Govinda and Sunita's sons are also going to debut Sunita called Yash's film better than Saiyaara Debutant stars Ahan Pandey and Anit Padda starrer romantic musical drama Saiyaara is one of the highest grossing films of this year. Made on a low budget, Saiyaara earned four times more and filled the makers' pockets with money. Lead stars Ahan and Anit were also praised for their performances. Amidst the success of the film, Sunita Ahuja has given her reaction about this in a recent interview. When Sunita was asked about a fan's comment in an interview, who questioned that Yash is so handsome. He should have been in Saiyaara. Sunita Ahuja commented on the movie Saiyaara Responding to the fan's question, Sunita Ahuja said in the Eat Travel Repeat podcast, "I wish but Yash is doing a better film than that. I have not seen the film yet. But Yash has seen it twice. I will see it. I want to see it but it is probably coming on Netflix on the 14th. It is very good. All the children who are coming, my best wishes to them and my prayer is that all the children earn a lot of name." Govinda's son Yash's Bollywood debut Govinda and Sunita's son Yash is going to debut at the age of 28. His upcoming film will be the Hindi remake of Sai Rajesh's Telugu movie Baby (2023). However, no information has been revealed yet about who is playing the lead role with her. Sunita Ahuja-Govinda's divorce news: Recently, Sunita Ahuja and her husband Govinda were in the news due to the rumors of their divorce. 6 months ago, the actor's wife filed for divorce which became a topic of discussion recently. Later, the couple's daughter Tina and their manager denied these rumors. Govinda's lawyer said that this matter is old. Now things are getting better between the two.

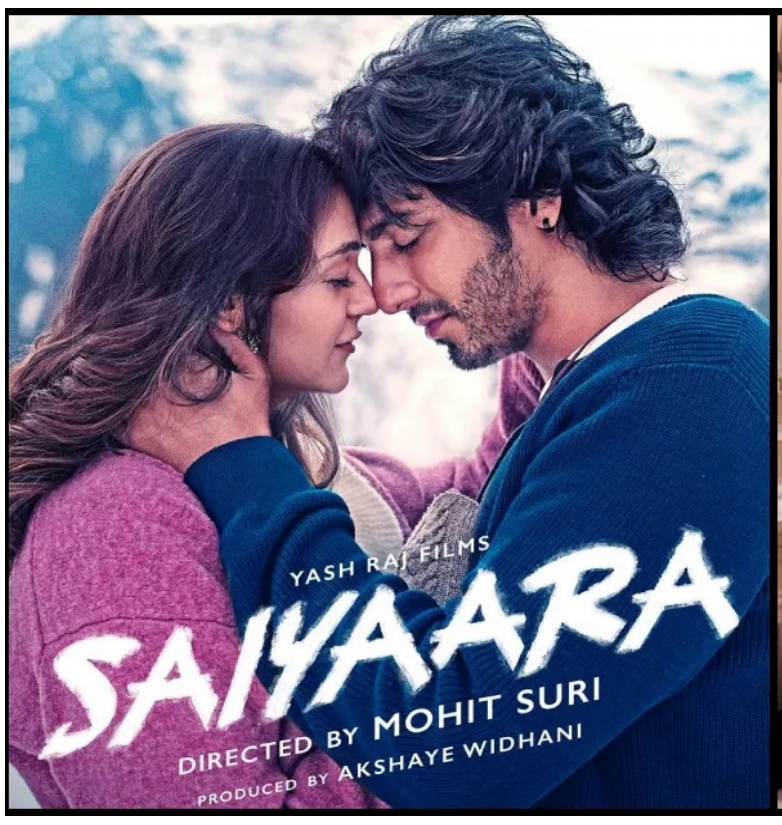

Trishala Dutt: Is Sanjay Dutt's daughter upset with him? In the cryptic post, she wrote, 'Parents are the ones who take care of their children...'

Sanjay Dutt's daughter Trishala Dutt has created curiosity in people's minds by sharing a cryptic post on family and her mental health. Trishala shared a long note on Instagram on August 25 in which she stressed that family is not a free pass to misbehave. Sanjay Dutt's daughter made a cryptic post Trishala Dutt made a cryptic post about family Did Trishala's relationship with Sanjay Dutt deteriorate? Sanjay Dutt's daughter Trishala Dutt has created a sensation on social media by making a cryptic post on family and mental health. 15 days after wishing Sanjay on his birthday on August 10, Trishala shared a long note on Instagram on August 25 in which she wrote a lot about the family, seeing which fans have become excited to know whether everything is fine at Sanjay Dutt's house or not. Trishala made a cryptic post In her post, Trishala wrote, 'Not every blood relation should have a place in your life. Sometimes the most tiring people we know are called 'family'. You have the freedom to keep your peace. You have the freedom to have less contact or no contact at all. You have the right to choose your mental health over maintaining the image of the family'. She further wrote, 'Because 'family' does not give you a free hand to abuse, manipulate or blame yourself. You do not need to maintain constant access to anyone who continues to hurt you - even if they raised you. When a parent cares more about how the family looks to the world, rather than how it feels to live in it, that's a problem'.Though Trishala didn't name anyone in her note, it immediately fuelled speculations about her relationship with her father Sanjay Dutt. Notably, just a few weeks ago, on the actor's 66th birthday, Trishala had shared a picture with him that brought back old memories. The caption read, 'Love you more every day'. Trishala, the daughter of Sanjay Dutt and his first wife Richa Sharma, was born in 1988 and lost her mother at an early age. Richa died in 1996 due to brain tumour. Currently, Trishala is away from the glitz of Bollywood and currently lives in the United States, where she is a psychiatrist. Sanjay Dutt married actress Maanyata Dutt in 2008. The couple gave birth to twins, Shahraan and Iqra, in 2010. While Trishala remains private, Shahraan and Iqra occasionally appear on their parents' social media posts, giving fans a glimpse of the Dutt family.